खबर संक्षेप

सोन नदी से रेत चुराते पकड़ाया माफिया

शहडोल। जिले में अवैध उत्खनन और खनिज माफियाओं के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पपौंध पुलिस ने रेत के एक अवैध कारोबार पर कड़ा प्रहार किया है। पुलिस ने सोन नदी से धड़ल्ले से रेत चोरी कर परिवहन कर रहे एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को रंगे हाथों जब्त कर बड़ी कार्रवाई की है। बीते 8 जून 2026 को मुखबिर से पक्की सूचना मिली कि सोन नदी के दुअरा ग्राम से रेत का अवैध उत्खनन कर एक ट्रैक्टर-ट्रॉली खपाने की तैयारी में है। खबर मिलते ही पपौंध पुलिस ने तत्काल जाल बिछाया और ग्राम नई बस्ती पडरी तिराहा के पास घेराबंदी कर एक बिना नंबर वाले नीले रंग के सोनालिका ट्रैक्टर को दबोच लिया, जो रेत से पूरी तरह लदा हुआ था। पूछताछ में वाहन चालक ने अपना नाम जितेन्द्र मिश्रा उम्र 27 वर्ष, निवासी जमुनी बताया। जब पुलिस ने रेत के वैध दस्तावेज (टी.पी.) मांगे, तो आरोपी बगले झांकने लगा। पुलिस ने मौके पर ही 3 लाख रुपये कीमत का ट्रैक्टर-ट्रॉली और अवैध रेत जब्त कर ली। थाना पपौंध में आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 303(2), 317(5) और म.प्र. खान एवं खनिज अधिनियम सहित मोटर वाहन एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी बृजेन्द्र मिश्रा के नेतृत्व में सउनि महेश झा, प्रधान आरक्षक अजय उपाध्याय, आरक्षक पप्पू यादव और अजय वर्मा की मुख्य भूमिका रही।

यूनिवर्सिटी में छात्रों को सिखाए तनाव से निपटने के अचूक मंत्र

शहडोल। आज की अंधी दौड़, करियर के भारी दबाव और कट-थ्रोट कॉम्पटीशन के बीच युवाओं को मानसिक रूप से खोखला कर रही एंग्जाइटी (चिंता) के खिलाफ पंडित शंभुनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय ने एक बड़ा और असरदार मोर्चा खोला है। विश्वविद्यालय के प्रबंध विभाग द्वारा एंग्जाइटी डिमिस्टिफाइड विषय पर एक दिवसीय विशेष जागरूकता कार्यक्रम का शंखनाद किया गया, जिसमें सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लेकर मानसिक अवसाद से लडने के गुर सीखे।

चुनौतियों को दें पटखनी, डिप्रेशन का इलाज योग और ध्यान- कार्यक्रम की कमान संभालते हुए विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. राम शंकर ने बेहद धारदार अंदाज में छात्रों का हौसला बढ़ाया। उन्होंने साफ कहा कि आज के दौर में केवल किताबी कीड़ा बनकर शैक्षणिक उपलब्धियां हासिल करना काफी नहीं है, बल्कि जीवन की मुश्किलों से लडने के लिए मानसिक और भावनात्मक रूप से फौलाद बनना होगा। मुख्य वक्ता और साइकोलॉजिकल एक्सपर्ट प्रणव दुबे ने युवाओं की नब्ज पर हाथ रखते हुए अत्यधिक चिंता, बेचैनी, अनिद्रा और निगेटिव विचारों जैसे खतरनाक लक्षणों को डिकोड किया। उन्होंने छात्रों को दो टूक समझाया कि अगर घबराहट या तनाव हावी हो, तो घुटने टेकने के बजाय योग, ध्यान, बेहतर टाइम मैनेजमेंट और अपनी भावनाओं को दोस्तों-परिजनों से साझा करें। जरूरत पडने पर डॉक्टर से सलाह लेने में बिल्कुल न कतराएं।

सवालों की बौछार और कडक जवाब- संवादात्मक सत्र के दौरान छात्रों ने भी करियर और परीक्षा के डर से जुड़े कई तीखे सवाल दागे, जिनका विशेषज्ञ ने बेहद संजीदगी से जवाब देकर उनका भ्रम दूर किया। वहीं कुलसचिव प्रो. आशीष तिवारी और छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. प्रमोद पांडे ने युवाओं को खेलकूद और सांस्कृतिक गतिविधियों से जुड़कर जीवन में संतुलन बनाने की कडक सीख दी। कार्यक्रम में डॉ. शरद बरवे, डॉ. पूर्णिमा शर्मा, डॉ. चेतना सिंह सहित कई प्राध्यापक मौजूद रहे।

सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों की सरेआम उड़ी धज्जियां

ताला जोन में 12 जिप्सियों ने जंगल के राजा को चारों तरफ से दबोचा

चंद पैसों और रील्स के भूखे पर्यटकों के लिए दांव पर लगी बाघ की सांसें!

उमरिया।

विश्व पटल पर बाघों के सुरक्षित गढ़ के रूप में छाती ठोकने वाला बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व एक बार फिर शर्मसार हुआ है। इस बार सफारी माफिया और बेलगाम कंक्रीट संस्कृति ने मिलकर जंगल के शहंशाह, नर बाघ बजरंग को अपनी मर्जी का बंधक बना डाला। सोशल मीडिया पर वायरल हुए रोंगटे खड़े कर देने वाले वीडियो और तस्वीरों ने रिजर्व के तथाकथित सुरक्षा चक्र और खोखली मॉनिटरिंग व्यवस्था के परखच्चे उड़ाकर रख दिए हैं। वन्यजीव संरक्षण के दावों के बीच घटी इस वीभत्स घटना ने पूरे महकमे की साख को कटघरे में खड़ा कर दिया है।

अमले की शह या आपराधिक लापरवाही

यह कोई सामान्य चूक नहीं, बल्कि एक संगठित वन्यजीव अपराध की श्रेणी में आता है। सबसे तीखा सवाल यह है कि जब 12 गाडिय़ां एक ही पॉइंट पर जमा होकर नियमों की धज्जियां उड़ा रही थीं, तब मौके पर तैनात रहने वाला वन अमला और गश्ती दल किस कुंभकर्णी नींद में सोया था? सूत्रों का दावा है कि इस तमाशे में कुछ रसूखदार शासकीय वाहन भी शामिल थे, जो इस पूरे मामले में अधिकारियों की संलिप्तता या उनके मौन संरक्षण की ओर सीधे इशारा करते हैं।

जब मनोरंजन के नाम पर हुआ तांडव

बीती 6 जून 2026 को ताला जोन के अति-संवेदनशील कबीर आश्रम (ए-रूट) क्षेत्र में बाघ बजरंग ने प्राकृतिक नियमानुसार एक शिकार किया था। वन्यजीव नियमों के तहत शिकार और भोजन के वक्त बाघ को पूर्ण एकांत मिलना अनिवार्य है, लेकिन यहाँ कानून को कसाईखाने भेज दिया गया। जैसे ही कुछ गाइडों और जिप्सी चालकों को शिकार की भनक लगी, वैसे ही प्रतिबंधित मोबाइल व्हाट्सएप गुरुपों पर मैसेजों का सैलाब आ गया। देखते ही देखते चंद मिनटों में पूरा इलाका जिप्सियों के अवैध काफिले से पट गया। प्रत्यक्षदर्शियों और

वायरल फुटेज के मुताबिक, करीब 10 से 12 जिप्सियों ने बाघ बजरंग को चारों तरफ से घेरकर चक्रव्यूह बना दिया। सामने लोहे की फेंसिंग (बाड़) थी और पीछे व अगल-बगल में चीखते-चिल्लाते, मोबाइल चमकाते पर्यटकों से भरी गाडिय़ां! बाघ वाहनों के इतने करीब था कि अगर वह एक छलांग मारता तो कई लाशें गिर सकती थीं। विचलित, तनावग्रस्त और लाचार अवस्था में फंसा जंगल का राजा अपनी ही सल्तनत में बेगाना और डरा हुआ घूम रहा था, जबकि रसूखदार पर्यटक उसकी बेबसी को अपने कैमरों में कैद कर अट्टहास कर रहे थे।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश का खुला मखौल

माननीय सर्वोच्च न्यायालय के स्पष्ट और कड़े दिशा-निर्देश हैं कि बाघ अभयारण्यों के भीतर मोबाइल का उपयोग, जीपीएस ट्रैकिंग और अनियंत्रित वाहनों का जमावड़ा पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा ताकि वन्यजीवों के प्राकृतिक व्यवहार में दखल न हो। लेकिन बांधवगढ़ में सुप्रीम कोर्ट का खौफ कतई नजर नहीं आता। निजी जिप्सी चालक तो दूर, खुद सरकारी नुमाइंदे खुलेआम मोबाइल पर सूचनाएं लीक कर बाघों की लोकेशन का धंधा कर रहे हैं।

तो जवाब दे प्रबंधन!

सर्वोच्च न्यायालय की पाबंदी के बावजूद कोर एरिया में मोबाइल और व्हाट्सएप नेटवर्क कैसे काम कर रहे हैं, नियमों को कुचलने वाली इन 12 जिप्सियों के परमिट तुरंत निरस्त कर उन पर आपराधिक मुकदमा दर्ज क्यों नहीं किया गया, अगर तनाव में आकर बाघ हमला कर देता, तो क्या सैलानियों की मौत की जिम्मेदारी पार्क डायरेक्टर लेते।

माफिया तंत्र पर हो सीधे एफआईआर

इस घटना के बाद वन्यजीव प्रेमियों, पर्यावरणविदों और स्थानीय नागरिकों का गुस्सा सातवें आसमान पर है। उन्होंने मांग की है कि मामले की जांच स्थानीय अमले से हटाकर किसी स्वतंत्र उच्चस्तरीय एजेंसी या विजिलेंस से कराई जाए। दोषी जिप्सी चालकों और गाइडों को ताउम्र के लिए ब्लैकलिस्ट किया जाए और मौके पर मूकदर्शक बने रहे फील्ड स्टाफ को सेवामुक्त किया जाए। नियमों की बलि चढ़ाकर पर्यटन का यह खूनी खेल कब बंद होगा, बांधवगढ़ प्रबंधन की यह चुप्पी अपराधियों को सह देने जैसी है। यदि तत्काल सख्त कानूनी एक्शन नहीं हुआ, तो आने वाले दिनों में यह इंटरनेशनल टूरिज्म किसी बड़े नरसंहार या किसी राष्ट्रीय धरोहर (बाघ) की असमय मौत का सबब बन जाएगा।

इनका कहना है...

ताला जोन में इस प्रकार की घटना की जानकारी आपके माध्यम से संज्ञान में आई है, आप फोटो हमे भेजिए हम दिखवाते हैं।

अनुपम सहाय फील्ड डायरेक्टर,बांधवगढ़

मासूम से दरिंदगी करने वाला लवकुश बैगा चढ़ा पुलिस के हत्थे

शादी का झांसा देकर नाबालिग का किया था अपहरण, फिर किया दुष्कर्म

शहडोल।

जिले की गोहपारू थाना पुलिस ने एक नाबालिग बालिका के अपहरण और उसके साथ दुष्कर्म की घिनौनी वारदात को अंजाम देने वाले शातिर आरोपी को दबोचने में बड़ी सफलता हासिल की है। शादी का झांसा देकर मासूम की जिंदगी से खिलवाड़ करने वाले इस दरिंदे को पुलिस ने चौतरफा घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया है, जिसे माननीय न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल भेज दिया गया है।

रात के अंधेरे में किया था अगवा

रोंगटे खड़े कर देने वाला यह मामला बीते 27 अप्रैल 2026 की रात का है, जब गोहपारू थाना क्षेत्र के एक गांव से 14 वर्षीय नाबालिग अचानक लापता हो गई थी। परिजनों की काफी खोजबीन के बाद भी जब उसका कहीं सुराग नहीं लगा, तो 28 अप्रैल को थाने में शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस ने तत्काल भारतीय न्याय संहिता की धारा 137(2) के तहत अपहरण का मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी।

बयानों में खुला दरिंदगी का राज

मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए थाना प्रभारी के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस के मुखबिर तंत्र और त्वरित कार्रवाई के चलते बीते 31 मई 2026 को बालिका को ग्राम बेल्ली तिराहा से सकुशल दस्तयाब (बरामद) किया गया। महिला पुलिस अधिकारी और माननीय न्यायालय के समक्ष जब पीड़िता के बयान दर्ज कराए गए, तो आरोपी की काली करतूत सामने आ गई। पीड़िता ने बताया कि आरोपी उसे शादी का झांसा देकर भगा ले गया था और उसके साथ बलात्कार किया था। इसके बाद पुलिस ने मामले में धारा 64, 65(1), 64(2)(एम), 127(4), 96 बीएनएस सहित सख्त 3/4 और 5एल/6 पॉक्सो एक्ट का इजाफा किया।

सलाखों के पीछे पहुंचा आरोपी

संगीन धाराएं बढऩे के बाद से ही आरोपी पुलिस को चकमा देकर फरार चल रहा था, 9 जून को पुलिस टीम ने सूचना पर दबिश देकर आरोपी लवकुश बैगा उम्र 18 वर्ष 02 माह, निवासी पलसऊ को धर दबोचा। इस कार्रवाई में गोहपारू थाना प्रभारी निरीक्षक राजकुमार मिश्रा, सहायक उपनिरीक्षक भागचन्द, प्रधान आरक्षक अमृतलाल प्रजापति, आरक्षक अजीत कुमार यादव और दीपक साहू की भूमिका रही।

दूध का दाम 20 रूपए बढ़ाने सौंपा ज्ञापन, बढ़ती मंहगाई में चरमरा रहा दूध व्यवसाय

शहडोल। जिला दूध उत्पादक संघ के तत्वावधान में मंगलवार को जिले के दूध व्यवसायियों ने एक रैली निकाल कर जिला कलेक्टर के नाम एक ज्ञापन सौंपा। जिसमें दूध का मूल्य बढ़ाने की मांग की गई। ज्ञापन संघ के अध्यक्ष जावेद खान के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट परिसर में एडीएम सरोधन सिंह को सौंपा गया। इस अवसर पर संघ के अध्यक्ष सहित पशुपालकों और व्यवसायियों ने एडीएम को अवगत कराया कि मवेशियों के आहार चुनी, खली, भूसा, दाना आदि सहित अन्य जरूरी सामग्रियों का दाम काफी बढ़ गया है। जबकि उनके दूध का मूल्य वर्षों से 40-50 रुपए किलो में ही स्थिर है। इस कारण उन्हे दूध व्यवसाय में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उनका व्यवसाय डूबने की कगार पर पहुंचता जा रहा है। इसलिए उनके दूध का दाम बढ़ाया जाए। गाय के दूध का मूल्य 60 रुपए और भैंस के दूध का मूल्य 70 रूपए किया जाए। अध्यक्ष के साथ व्यवसायियों ने माग की कि बाहर से आने वाले दूध व उससे बने उत्पादकों की नियमित जांच की जाए और उस पर कड़ाई बर्ती जाए। ज्ञापन के अवसर पर अध्यक्ष के साथ सुरेश यादव, अशोक सिंह, कमलेश यादव, नन्द कुमार यादव, राम भुवन यादव, अमृत लाल,बबलू यादव, राजू पटेल, रामेश्वर यादव, गणेश यादव, पुरुषोत्तम यादव आदि सहित काफी संख्या में पशुपालक व दूध व्यवसायी मौजूद थे।

थैलेसीमिया योद्धा के लिए 25 वर्षीय मनीष ने किया रक्तदान

युवाओं को रक्तदान का दिया संदेश

शहडोल।

कुशाभाऊ ठाकरे जिला चिकित्सालय के थैलेसीमिया एवं सिकल सेल वार्ड में भर्ती सिकल सेल योद्धा संदीप सिंह का हीमोग्लोबिन मात्र 4 ग्राम रह गया था, जिसके लिए तत्काल ओ पॉजिटिव रक्त की आवश्यकता थी। ब्लड बैंक में भी ओ पॉजिटिव रक्त की उपलब्धता न होने के ऐसे समय में युवक मनीष जायसवाल ने रक्तदान कर मानवता की एक सुंदर मिसाल पेश की। मनीष जायसवाल ने बताया कि यह मेरा दूसरा रक्तदान है। रक्त दान करने के पश्चात मुझे अत्यंत ही प्रसन्नता हुई। मेरे लिए हर्ष का विषय है कि मेरे रगों में बहने वाला खून किसी मासूम को एक नई जिंदगी देने में काम आएगा। लोगों के मन में यह भ्रांतियां रहती है कि रक्तदान से कोई नुकसान होता है तो ऐसा कुछ भी नहीं है बल्कि यह शरीर में अतिरिक्त आयरन को कम करके स्वास्थ्य में सुधार करता है। हमारे शहडोल में ऐसे कई मरीज हैं, जो सिकिल सेल से ग्रसित हैं उन्हें हर 15 दिन में रक्त की आवश्यकता पड़ती है। जिस संख्या में अपने जिले में सिकल सेल के मरीज हैं ब्लड बैंक शहडोल में इतना ब्लड पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं हो पाता। वर्तमान में भी रक्त कोष में रक्त की कमी है रक्त न मिलने के कारण आज कई बच्चों को वापस जाना पड़ता है। मेरा युवा पीढ़ी एवं समाज के जिम्मेदार नागरिकों से अनुरोध है आप भी रक्तदान कर किसी मासूम के चेहरे की मुस्कान बनें। निश्वार्थ भाव से की गयी मानव सेवा ही सच्ची सेवा है, इससे बड़ा कोई धर्म नहीं है। मनीष ने बताया कि दिशा वेलफेयर एसोशिएशन शहडोल की अध्यक्ष रूपाली सिंघई द्वारा मासूम बच्चों के लिए सच्ची निष्ठा एवं निश्वार्थ भाव से की गई सेवा से उन्हें यह प्रेरणा मिली है और भविष्य में भी वह रक्तदान करते रहेंगे। ऐसे संवेदनशील और सेवा भाव से परिपूर्ण रक्तदाताओं के कारण ही जरूरतमंद मरीजों को समय पर जीवनदायी रक्त मिल पाता है।

भीम आर्मी ने खोला मोर्चा, पुलिस अधीक्षक से की शिकायत

पेट्रोल पंप पर युवक को बेरहमी से पीटा

शहडोल। जिले के ब्यौहारी थाना क्षेत्र में दबंगों के हौसले इस कदर बुलंद हैं कि आम जनता अब सरेराह सुरक्षित नहीं रह गई है। जनपद पंचायत ब्यौहारी के सामने स्थित बी.पी. पेट्रोल पंप (गुप्ता फीलिंग स्टेशन) पर तेल भराने गए एक बेकसूर युवक दलबीर पटेल के साथ पेट्रोल पंप के कर्मचारियों द्वारा बेरहमी से मारपीट करने का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। स्थानीय पुलिस की सुस्त और संदेहास्पद कार्यप्रणाली से नाराज होकर अब भीम आर्मी भारत एकता मिशन पीड़ित के समर्थन में उतर आई है। भीम आर्मी के जिला इकाई शहडोल ने सीधे पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र सौंपकर लापरवाह अधिकारियों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

तेल भराने गए युवक को अधमरा पीटा!- घटना बीते 30 मई 2026 की रात करीब 10:30 बजे की बताई जा रही है। पीड़ित दलबीर पटेल निवासी ग्राम तेंदुआड जब उक्त पेट्रोल पंप पर पहुंचा, तो

वहां तैनात कर्मचारी अरुणोदय द्विवेदी और शक्तिमान तिवारी ने अपनी गुंडागर्दी दिखाते हुए युवक के साथ गाली-गलौज की और उसे बेरहमी से पीट दिया। पीड़ित का आरोप है कि घटना के बाद जब वह न्याय की गुहार लेकर स्थानीय थाने पहुंचा, तो पुलिस ने रसूखदारों के दबाव में उसकी बात को अनसुना कर दिया और मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया।

भीम आर्मी ने दागे गंभीर सवाल, अल्टीमेटम जारी- भीम आर्मी के जिला संयोजक व जिलाध्यक्ष राजेश कुशवाहा ने पुलिस प्रशासन को घेरते हुए चार प्रमुख बिंदुओं पर तत्काल निष्पक्ष जांच की मांग की है, डॉक्टर द्वारा पीड़ित की सही एम.एल.सी. नहीं की गई, इसकी दोबारा निष्पक्ष जांच हो। पुलिस ने पीड़ित के कथनों के अनुसार सही रिपोर्ट दर्ज नहीं की है, अतः वास्तविक घटना के आधार पर नई एफआईआर दर्ज हो। पेट्रोल पंप पर लगे सीसीटीवी फुटेज को तुरंत जब्त कर उसकी बारीकी से जांच की जाए। पेट्रोल पंप पर आए दिन होने वाली बदतमीजी और लापरवाही पर नकेल कसी जाए। भीम आर्मी ने दो टूक शब्दों में जिला प्रशासन को अल्टीमेटम दिया है कि यदि पीड़ित दलबीर पटेल को जल्द न्याय नहीं मिला, तो भीम आर्मी सहित समस्त एस.सी., एस.टी. और ओबीसी समाज सडकों पर उतरकर उग्र धरना प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होगा, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

खबर संक्षेप

बाढ़ एवं अतिवृष्टि से निपटने जिला स्तरीय कंट्रोल रूम स्थापित, 24 घंटे तैनात रहेंगे कर्मचारी

अनूपपुर। आगामी मानसून को दृष्टिगत रखते हुए जिले में बाढ़ एवं अतिवृष्टि की संभावित स्थिति से निपटने तथा मैदानी स्तर के अमले से बेहतर समन्वय स्थापित करने के लिए कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली द्वारा जिला स्तरीय कंट्रोल रूम सक्रिय करने के आदेश जारी किए गए हैं। यह नियंत्रण कक्ष कार्यालय कलेक्टर अनूपपुर के कक्ष क्रमांक 56 (जिला आपदा नियंत्रण कक्ष) में स्थापित किया गया है, जहाँ आगामी समय में 24 घंटे दूरभाष एवं ई-मेल के माध्यम से मॉनिटरिंग की जाएगी। कलेक्टर द्वारा जारी आदेश के अनुसार, जिला आपदा नियंत्रण कक्ष में सुचारू व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए कर्मचारियों की तीन शिफ्टों में ड्यूटी लगाई गई है। प्रातः 08:00 बजे से दोपहर 02:00 बजे तक मनोज कुमार रौतेल (मो. नं. 9131271968), दोपहर 02:00 बजे से रात्रि 08:00 बजे तक सुश्री कमलेश्वरी यादव (मो.नं. 9301522935) तथा सुश्री सपना रजक (मो. नं. 9685158619) एवं रात्रि 08:00 बजे से प्रातः 08:00 बजे तक भोलेलाल कोल (मो. नं. 9171365430) की ड्यूटी लगाई गई है। जिला स्तरीय कंट्रोल रूम (दूरभाष क्रमांक 0755-2840603, 07659-181 एवं ई-मेल आईडी) के सफल संचालन एवं समन्वय हेतु जिला प्रबंधक, लोक सेवा प्रबंधन विभाग श्रीमती सोनू सिंह राजपूत (मो. नं. 9424507799) को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। कंट्रोल रूम के माध्यम से जिले में वर्षा की स्थिति, नदी-नालों के जलस्तर और जलभराव की सूचनाओं पर तत्काल संज्ञान लिया जाएगा, ताकि किसी भी आपातकालीन स्थिति में त्वरित राहत एवं बचाव कार्य सुनिश्चित किया जा सके।

नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक (डीडीएम) कार्यालय, उमरिया का शुभारंभ

उमरिया। राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक के जिला विकास प्रबंधक कार्यालय, उमरिया का विधिवत शुभारंभ नाबार्ड मध्य प्रदेश क्षेत्रीय कार्यालय की मुख्य महाप्रबंधक सी. सरस्वती ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया।इस अवसर पर नाबार्ड भोपाल के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। नाबार्ड मध्य प्रदेश क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा प्रदेश के तीन नवीन डीडीएम कार्यालयोंकृसीधी,डिंडोरी एवं उमरियाकृका एक साथ शुभारंभ किया गया। उल्लेखनीय है कि गत वर्ष तक उमरिया जिला कटनी जिले के अधीन संचालित होता था। प्रधानमंत्री धन-धान्य योजना (पीएमडीडीकेवाई) के अंतर्गत अब जिले के लिए स्वतंत्र एवं समर्पित डीडीएम कार्यालय की स्थापना की गई है। यह कार्यालय स्वर्ण भूमि कॉलोनी, उमरिया में स्थापित किया गया है। मुख्य महाप्रबंधक सी. सरस्वती ने अपने संबोधन में जिले में समावेशी कृषि एवं ग्रामीण विकास को बढ़ावा देने में डीडीएम कार्यालय की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने बैंकों एवं विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा डीडीएम कार्यालय को सक्रिय सहयोग प्रदान करने का आह्वान किया, ताकि जिले के सर्वांगीण एवं सतत विकास को गति मिल सके। कार्यक्रम में जिला विकास प्रबंधक हिमांशु शुक्ला, अग्रणी जिला प्रबंधक सेवक राम सोनवानी, एसबीआई आरसेटी के निदेशक तरुण कुमार,प्रगतिशील कृषक, बैंक प्रतिनिधि,गैर-सरकारी संगठन एवं अन्य हितधारक उपस्थित रहे।

सटीक परिचालन से गढ़े गए दक्षता के नए मानदंड- इस रिकॉर्ड परिचालन अवधि के दौरान यूनिट ने 89.18 प्रतिशत का प्लांट अवेलेबिलिटी फैक्टर (चा॥) बनाए रखा, जो बिजली उत्पादन के लिए इस इकाई की उच्च उपलब्धता और तकनीकी मजबूती को प्रमाणित करता है। इसके साथ ही, इकाई ने 80.07 प्रतिशत का प्लांट लोड फैक्टर (च्स्थ्) दर्ज कर अपनी वास्तविक उत्पादन क्षमता के कुशल उपयोग का लोहा मनवाया। ऊर्जा दक्षता के मोर्चे पर भी प्रबंधन का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा, जहां आंतरिक सहायक विद्युत खपत (।च्ब्) को महज 9.17 प्रतिशत पर सीमित रखकर बिजली की बड़ी बचत की गई।

उत्पादन इकाइयाँ उच्चतम विश्वसनीयता के साथ काम करने में सक्षम- मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी के प्रबंध संचालक मनजीत सिंह ने इस उपलब्धि पर गहरी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए पूरी टीम की सराहना की। उन्होंने कहा, ष्हमारे इंजीनियरों और तकनीकी टीम ने उत्कृष्ट संधारण (डंपदजमदंदबम) और कुशल संचालन (व्चमतंजपवद) के दम पर बार-बार यह साबित किया है कि कंपनी की बिजली उत्पादन इकाइयाँ उच्चतम विश्वसनीयता के साथ काम करने में पूरी तरह सक्षम हैं। यही वजह है कि हमारी इकाइयाँ लगातार राष्ट्रीय स्तर के कीर्तिमान स्थापित कर रही हैं और उत्कृष्ट प्रदर्शन का एक बेहद मजबूत रिकॉर्ड बना रही हैं।

उमरिया सिविल सर्जन पर यौन उत्पीड़न के प्रयास का संगीन आरोप

देर रात सिगरेट और बियर के बहाने सुनसान इलाके में बुलाने का आरोप

खुद को फंसता देख डॉक्टर ने चली काउंटर गेम की चाल

पीड़ित पर मढ़ दिया लूट और मारपीट का झूठा केस

जिले के सरकारी महकमे और प्रशासनिक गलियारों में उस वक्त भूचाल आ गया, जब जिला अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. के.सी. सोनी पर एक 20 वर्षीय युवक ने यौन उत्पीड़न के प्रयास जैसा बेहद घिनौना और शर्मनाक आरोप मढ़ दिया। रसूखदार डॉक्टर की इस करतूत ने पूरे स्वास्थ्य विभाग को कटघरे में खड़ा कर दिया है।

उमरिया।

पीड़ित युवक अरमान सोनी ने सोमवार को सीधे कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक की चौखट पर पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज कराई और न्याय की गुहार लगाई। मामला हाई-प्रोफाइल होने के कारण कलेक्ट्रेट से लेकर थाने तक हडक़ंप मचा हुआ है।

कब्रिस्तान में रात का सन्नाटा...

कलेक्टर को सौंपे गए शिकायती पत्र में पीड़ित ने जो आपबीती सुनाई है, वह रोंगटे खड़े करने वाली है। घटना 7 जून 2026 की रात करीब 10:30 से 11 बजे के बीच की बताई जा रही है। पीड़ित का आरोप है कि सिविल सर्जन डॉ. सोनी ने उसे सिगरेट पीने के बहाने रात के अंधेरे में कब्रिस्तान क्षेत्र के पास बुलाया। युवक जब वहां पहुंचा, तो डॉक्टर अपनी मर्यादा भूल गए। उन्होंने युवक के साथ अशोभनीय और अभद्र व्यवहार करना शुरू कर दिया और उसके संवेदनशील अंगों को गलत नीयत से छूने का प्रयास किया। इतना ही नहीं, अपनी हवस को अंजाम देने के लिए साहब ने युवक को बियर पीने और एन्जॉय करने का लालच भी दिया।

तो चला विक्टिम कार्ड का पासा

शिकायत के अनुसार, जब पीड़ित ने डॉक्टर की इस गंदी हरकत का कड़ा विरोध किया और फोन करके अपने परिजनों को मौके पर बुला लिया, तो पकड़े जाने के डर से घबराए डॉक्टर ने गिड़गिड़ाते हुए अपनी गलती मान ली, लेकिन असली हाई-वोल्टेज ड्रामा तब शुरू हुआ जब मामला थाने पहुंचा। खुद को कानूनी शिकंजे और बदनामी से बचाने के लिए रसूखदार सिविल सर्जन ने शातिर अपराधियों की तरह काउंटर गेम खेल दिया। डॉक्टर ने मुख्य घटना से ध्यान भटकाने और पीड़ित परिवार पर दबाव बनाने के लिए उलटा पीड़ित और उसके साथियों पर ही मारपीट करने और पैसे लूटने का झूठा आरोप मढक़र काउंटर केस दर्ज कराने की चाल चल दी।

हाथ जोडक़र माफी मांगने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल!

इस पूरे मामले ने तब और तूल पकड़ लिया जब सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से जंगल की आग की तरह फैल गया। वायरल वीडियो में एक रसूखदार शख्स हाथ जोडक़र गिड़गिड़ाते हुए माफी मांगता नजर आ रहा है। पीड़ित पक्ष का दावा है कि यह वीडियो उसी रात का है जब डॉक्टर साहब रंगे हाथों पकड़े गए थे और अपनी खाल बचाने के लिए मिन्नतें कर रहे थे। हालांकि, अखबार इस वायरल वीडियो की स्वतंत्र पुष्टि नहीं करता है, लेकिन इस वीडियो ने जिले की राजनीति और प्रशासनिक गलियारों में सरगर्मी तेज कर दी है।

कलेक्टर सख्त, जांच में जो दोषी होगा, नपेगा!

पुलिस की सुस्त कार्यप्रणाली से नाराज पीड़ित परिवार ने जब सीधे कलेक्टर से मुलाकात की, तो मामले की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर ने तत्काल उच्च स्तरीय जांच के आदेश दे दिए हैं। कलेक्टर ने पीड़ित परिवार को आश्वस्त करते हुए कहा कि मामला बेहद गंभीर है। सभी पक्षों के बयान दर्ज किए जाएंगे। जांच पूरी तरह निष्पक्ष होगी और जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ कानून सम्मत कठोरतम कार्रवाई की जाएगी। रसूख के दम पर किसी को बख्शा नहीं जाएगा।

कॉल डिटेल और सीसीटीवी खोलेंगे राज

अब पीड़ित परिवार ने अपनी जान-माल की सुरक्षा की गुहार लगाते हुए मांग की है कि घटना की रात के मोबाइल लोकेशन, कॉल रिकॉर्ड्स और कब्रिस्तान क्षेत्र के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जाएं। यदि तकनीकी साक्ष्यों ने शिकायत की पुष्टि कर दी, तो सिविल सर्जन महोदय का जेल जाना तय है। फिलहाल, पूरी जनता की निगाहें प्रशासनिक जांच पर टिकी हैं कि क्या रसूख के आगे पीड़ित की आवाज दबा दी जाएगी या फिर सफेदपोश साहब को उनके कर्मों की सजा मिलेगी।

भ्रष्टाचार पर पर्दा! जनपद और इंजीनियर की जुगलबंदी

15 लाख का चेकडैम चढ़ा भ्रष्टाचार की भेंट

एक हफ्ते बाद भी जांच का अता-पता नहीं

चोरी की रेत और घटिया सामग्री से हुआ निर्माण

मानपुर।

जनपद पंचायत मानपुर में सरकारी धन की बंदरबांट का एक और सनसनीखेज मामला सामने आया है। ग्राम पंचायत छपडौर के धखोदर रोड स्थित नउवा ढोढ नदी में बना चेकडैम आज विभागीय सांठगांठ और भ्रष्टाचार का जीता-जागता स्मारक बन चुका है। करीब 15 लाख रुपये की भारी-भरकम लागत से बने इस चेकडैम को देखकर साफ पता चलता है कि सरकारी राशि का किस बेरहमी से दुरुपयोग किया गया है। लेकिन सबसे शर्मनाक बात यह है कि मामले की गूंज होने के बाद एक सप्ताह पहले जांच टीम तो गठित कर दी गई, लेकिन आज दिनांक तक जांच की फाइल एक इंच भी आगे नहीं सरक पाई है। इससे साफ जाहिर होता है कि जनपद के जिम्मेदार एस.डी.ओ. और इंजीनियर खुद इस भ्रष्टाचार पर पर्दा डालने में जुटे हुए हैं।

लाखों की राशि डकार गए अफसर और ठेकेदार!

15वें वित्त आयोग की राशि से बने इस चेकडैम की निर्माण एजेंसी खुद ग्राम पंचायत छपडौर है। जब इस कार्य का एस्टीमेट पूरे 15 लाख रुपये का था, तो फिर काम को आधा-अधूरा क्यों छोड़ दिया गया? मौके पर न तो क्रॉस बैरियर बनाया गया है और न ही रिटर्न वॉल का निर्माण हुआ है। इतना ही नहीं, निर्माण कार्य में धड़ल्ले से चोरी की रेत और बेहद घटिया दर्जे की सामग्री का इस्तेमाल किया गया है। नियमतः निर्माण स्थल पर सूचना बोर्ड लगाकर पूरी जानकारी सार्वजनिक करनी होती है, लेकिन साल बीत जाने के बाद भी आज तक बोर्ड पर एक शब्द नहीं चश्पा किया गया। यह गोपनीयता खुद गवाही दे रही है कि आधे पैसों में औपचारिकता पूरी कर बाकी की मोटी रकम ग्राम पंचायत से लेकर जनपद पंचायत के आला अधिकारियों की जेबों में सरका दी गई है।

सरपंच कोई और सरपंची कर रहा कोई और

इस पूरे घालमेल में जब ग्राम पंचायत छपडौर की सरपंच से हकीकत जाननी चाही, तो एक और कड़वा सच सामने आया। यहाँ महिला सरपंच सिर्फ रबर स्टैंप हैं, जबकि असली सरपंची उनके पति संपत कोरी चमका रहे हैं। जब उनसे काम की बदहाली पर सवाल किया गया, तो वे एस्टीमेट देखकर बताने का घिसा-पिटा बहाना बनाकर पल्ला झाड़ते नजर आए। वहीं दूसरी ओर, पंचायत के सचिव अयोध्या राय भी गोलमोल जवाब दे रहे हैं। सचिव साहब को यह तो याद है कि काम पिछले साल हुआ था और लागत 15 लाख है, लेकिन जब उनसे भ्रष्टाचार को लेकर गठित हुई जांच टीम के बारे में पूछा गया, तो वे अनजान बनकर कह उठे, हमें तो मालूम ही नहीं है कि कोई जांच टीम भी बनी है। सचिव का यह बयान खुद व्यवस्था के मुंह पर करारा तमाचा है।

कलेक्टर और सीईओ से न्याय की आस

जब जनपद स्तर के अधिकारी और उपयंत्री खुद आकंठ भ्रष्टाचार में डूबे हों, तो निष्पक्ष जांच की उम्मीद किससे की जाए? अब क्षेत्र की जनता को कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय और जिला पंचायत सीईओ अभय सिंह ओहरिया से अपेक्षाएं हैं। ग्रामीणों की मांग है कि इस पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए एक उच्च स्तरीय और निष्पक्ष जांच टीम भेजी जाए, ताकि दूध का दूध और पानी का पानी हो सके। जनता की गाढ़ी कमाई को डकारने वाले इन भ्रष्टाचारियों की कलाई खुलना और इन्हें जेल की सलाखों के पीछे पहुंचाना बेहद जरूरी है।

इनका कहना है...

अभी मेरा स्वास्थ्य खराब है, लौटकर आता हूं फिर दिखवाता हूं।

राजेश जाटव
एपीओ जनपद पंचायत, मानपुर

मुख्यमंत्री के सुशासन संकल्प को साकार कर रही जन सुनवाई

कलेक्टर एवं सीईओ जिला पंचायत ने सुनीं 145 आवेदकों की समस्याएं

उमरिया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के जन-केंद्रित एवं संवेदनशील शासन की भावना के अनुरूप जिला प्रशासन द्वारा आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में आम नागरिकों की समस्याओं का गंभीरतापूर्वक निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है। इसी क्रम में सोमवार को आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभय सिंह ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे 145 आवेदकों की समस्याएं ध्यानपूर्वक सुनीं। कलेक्टर एवं सीईओ जिला पंचायत ने प्राप्त आवेदनों को संबंधित विभागों को प्रेषित करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक प्रकरण का त्वरित, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन को शासन की योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ सहजता से प्राप्त हो सके।

जनसुनवाई में विभिन्न प्रकार की जनसमस्याएं सामने आईं। ग्राम सिगुड़ी निवासी उमाशंकर शुक्ला ने आवास उपलब्ध कराने, अशोक कुमार घंघरी ने वृद्धावस्था पेंशन स्वीकृत कराने तथा सेवा निवृत्त प्रधानाध्यापक कमलभान सिंह ने एक वेतनवृद्धि स्वीकृत किए जाने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया। वहीं चंदवार निवासी नरेश काछी, कमलेश, अशोक एवं प्रीति ने वार्ड क्रमांक 8 में हैंडपंप स्थापना की मांग रखी।

इसी प्रकार ग्राम बडख़ेड़ा की हेमलता त्रिपाठी ने भूमि पर कब्जा दिलाने, ग्राम रामपुर के शिवनारायण कुशवाहा ने रास्ता उपलब्ध कराने, पठारी निवासी सबल किशोर ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का लाभ दिलाने तथा कुछरवार ग्राम के सभोली सिंह एवं दयाराम सिंह ने नक्शा तरमीम एवं सीमांकन कराए जाने की मांग की। धमोखर निवासी विनोद यादव ने प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने तथा जंगेला ग्राम के मायाराम, नरबद, आनंद सिंह एवं कृष्णताल ने खराब ट्रांसफार्मर बदलवाने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान तथा शासन-प्रशासन को जनसुलभ बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। जनसुनवाई जैसे प्रभावी मंचों के माध्यम से नागरिकों को अपनी समस्याएं सीधे प्रशासन के समक्ष रखने और उनका शीघ्र निराकरण प्राप्त करने का अवसर मिल रहा है।

भीषण गर्मी से नहीं राहत मानसून आने का इंतजार

हरिभूमि न्यूज कोतमा। नगर में भीषण गर्मी और लू का प्रकोप जारी है। भीषण गर्मी और लू के चलते पारा लगातार 42 डीग्री से ऊपर बना हुआ है, जिससे जनजीवन अस्त-व्यस्त है। चिलचिलाती धूप और गर्म हवाओं के कारण दोपहर के समय सड़कें सूनी पड़ जाती हैं और लोग मानसून का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

गर्मी का आलम यह है कि एयर कंडीशनर, कूलर और पंखे तक बेअसर साबित हो रहे हैं। कोतमा सहित पूरे कोयलांचल एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सूर्यदेव अपने तीखे तेवर दिखा रहे हैं। दोपहर में चिलचिलाती धूप और गर्म हवाओं (लू) के कारण लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो गया है। चिलचिलाती धूप के कारण दोपहर के समय मुख्य बाजार और सड़कें पूरी तरह से सूनी नजर आ रही हैं। मंगलवार को दोपहर बाद आसमान मे बादल छाए रहे जिसके कारण उमस भरी गर्मी से लोगों का हाल बेहाल रहा। उमस भरी इस गर्मी में थोड़ी राहत के लिए लोग छांव, ठंडे पेय पदार्थों और देसी उपायों का सहारा ले रहे हैं। बढ़ते तापमान और लू के प्रकोप को देखते हुए स्वास्थ्य विशेषज्ञों और प्रशासन द्वारा लोगों को आवश्यक सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। दोपहर के समय खासकर 12 से 4 बजे के बीच घरों से बाहर न निकलें। बाहर निकलते समय सिर और चेहरे को सूती कपड़े से ढक लें। डिहाइड्रेशन पानी की कमी से बचने के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी, नींबू पानी, और ओआरएस का घोल पीते रहें। मंगलवार को नगर का अधिकतम तापमान 40 डीग्री से 42 डीग्री के बीच पहुंच गया। जिसके कारण लोग चिलचिलाती धूप के कारण दोपहर के समय घरों में रहने को मजबूर हैं।

पयारी नं. 1 के महाघोटाले पर बड़े अफसरों की चुप्पी बनी भ्रष्टाचार का कवच

हरिभूमि न्यूज बदरा/जमुना।

किसी भी जिले के प्रशासनिक मुखिया और जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी की कुर्सी इसलिए होती है ताकि वे शासकीय धन के दुरुपयोग को रोकें और जनता के हक की रक्षा करें। लेकिन जनपद पंचायत अनूपपुर की ग्राम पंचायत पयारी नंबर 1 में चल रहा सेग्रेगेशन शेड घोटाला यह सोचने पर मजबूर करता है कि क्या इन बड़े अधिकारियों को अपने पद की गरिमा और कर्तव्यों का जरा भी अहसास है? वर्ष 2021-22 में स्वीकृत हुए आजीविका वर्क शेड में हुए खुलेआम भ्रष्टाचार की फाइलें जिला और जनपद सीईओ की मेज पर धूल खा रही हैं। सब कुछ जानते हुए भी इन शीर्ष अधिकारियों द्वारा कार्रवाई न करना अब सीधे तौर पर उनकी प्रशासनिक निष्पक्षता और कर्तव्यनिष्ठा पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। इस पूरे मामले में 4 लाख 8 हजार रुपये की सामग्री और 57 हजार 332 रुपये की लेबर राशि का खेल तो हुआ ही, लेकिन सबसे शर्मनाक पराकाष्ठा वर्ष 2022 में देखी गई। मौके पर बिना एक भी एल्युमिनियम शीट लगाए, शेड छाने के नाम पर 91 हजार 772 रुपये और वॉशर के नाम पर 8 हजार 80 रुपये का फर्जी बिल लगाकर सरकारी खजाना साफ कर दिया गया। जब धरातल पर शेड आज भी नंगा खड़ा है, तो यह सवाल सीधे जिला और जनपद सीईओ से है कि वे किस नियम के तहत इस डकैती को मूक सहमति दे रहे हैं? क्या मध्य प्रदेश सिविल सेवा आचरण नियमों के तहत भ्रष्टाचार को देखकर भी आँखें मूंद लेना कदाचार और श्कर्तव्य के प्रति घोर लापरवाही की श्रेणी में नहीं आता? इस महाघोटाले में फर्जी मूल्यांकन रिपोर्ट तैयार करने वाली सब-इंजीनियर मैडम को अधिकारियों का जो संरक्षण मिल रहा है, वह हैरान करने वाला है। नियम कहते हैं कि यदि कोई उपयंत्री गलत मूल्यांकन करता है, तो उस पर तत्काल निलंबन और विभागीय जांच की गाज गिरनी चाहिए।लेकिन यहाँ जिला और जनपद के साहबान ऐसा बर्ताव कर रहे हैं मानो वे जनता के सेवक नहीं, बल्कि भ्रष्टाचारियों के सुरक्षा कवच हैं। इस प्रकार की रहस्यमयी चुप्पी और निष्क्रियता से यह साफ संदेश जाता है कि भ्रष्टाचार की जड़ें बहुत गहरी हैं और इसका कमीशन नीचे से लेकर ऊपर तक के दफ्तरों को तृप्त कर रहा है, तभी तो 4 साल बीत जाने के बाद भी किसी भी जिम्मेदार पर उंगली उठाने की हिम्मत कोई अधिकारी नहीं जुटा पा रहा है। जिला पंचायत सीईओ और जनपद सीईओ को यह याद रखना होगा कि लोक सेवक के रूप में उनकी जवाबदेही सिर्फ फाइलों को दबाने की नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत त्वरित कार्रवाई करने की है। यदि वे इस खुलेआम फर्जीवाड़े पर तत्काल जांच कमेटी गठित कर दोषियों से रिकवरी और प्राथमिकी दर्ज कराने का साहस नहीं दिखाते, तो उनकी यह निष्क्रियता श्भ्रष्टाचार में सह-अपराधीश होने जैसी ही मानी जाएगी। ग्रामीणों ने अब तय कर लिया है कि यदि जिला स्तर के ये बड़े अफसर अपनी कुंभकर्णी नींद से नहीं जागे, तो इस पूरे मामले की शिकायत, साक्ष्यों और अधिकारियों की निष्क्रियता के प्रमाणों के साथ सीधे राज्य लोकायुक्त, आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ और उच्च न्यायालय में की जाएगी, जहाँ जवाबदारों को अपनी कुर्सी और कर्तव्य दोनों का हिसाब देना भारी पड़ जाएगा।

खबर संक्षेप

वन विभाग में सालों से जगह एक ही स्थान पर जमे डिप्टी एव मुंशियों को हटाए जाने की मांग

ब्यौहारी। वन विभाग के पूर्वी रेंज के अंतर्गत क ई वीटों में मुंशी और फारेस्टर एक ही स्थान पर क ई सालों से जमे हुए हैं और स्थानिय वन माफिया एवं अवैध खनन वालों से अब उनके मधुर संबंध बन जाने के कारण जंगल कटाई और अवैध कार्यों में रोक नहीं लगा पा रहे हैं देवरी बीट के डिप्टी रेंजर सुरेंद्र सिंह 15 सालों से पदस्थ हैं एवं वन चौकी को छोड़कर मुख्यालय में ही अपना निवास बनाए हुए हैं वन चौकी में कभी नहीं रुकते क्षेत्र में न रहने के कारण वन छेत्र में होने वाली अवैध गतिविधियों पर लगाम नहीं लगा पा रहे हैं इसी तरह मुंशी भी एक बीट पर 20-20 सालों से जमे हुए हैं सालों जमे, डिप्टी रेंजरों मुंशियों एवं फॉरेस्टरों। का अनयत्र स्थानांतरण कराए जाने की मांग की है ।

संजय गांधी थर्मल पॉवर स्टेशन का शिखर प्रदर्शन

उमरिया। प्रदेश को निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने की दिशा में मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के संजय गांधी थर्मल पॉवर स्टेशन बिरसिंहपुर ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। स्टेशन की यूनिट नंबर 3 ने बीते 27 फरवरी से बिना रुके लगातार 100 दिनों तक बिजली पैदा करने का स्वर्णिम आंकड़ा छू लिया है। गौरतलब है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान भी कंपनी की कुल 13 उत्पादन इकाइयों ने 100 से अधिक दिनों तक लगातार निर्बाध बिजली उत्पादन करने का रिकॉर्ड बनाया था। इस शानदार ट्रैक रिकॉर्ड में अकेले संजय गांधी ताप विद्युत गृह बिरसिंगपुर का दबदबा रहा; जहां इसी यूनिट-3 ने पहले भी एक बार यह मुकाम हासिल किया था, वहीं स्टेशन की यूनिट-4 दो बार और यूनिट-5 ने एक बार इस ऐतिहासिक उपलब्धि को अपने नाम दर्ज कराया था।

बिरसा मुंडा वार्ड में पेवर ब्लॉक कार्य का भूमिपूजन

कटनी। बिरसा मुंडा वार्ड, पुरैनी स्थित आधारकाप रोड में पेवर ब्लॉक निर्माण कार्य का विधिवत भूमिपूजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम में महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी, क्षेत्रीय पार्षद नन्हींबाई तुलाराम गोटियाँ, मेयर इन काउंसिल सदस्यगण, पार्षदों एवं क्षेत्रीय नागरिकों की उपस्थिति में पूजा-अर्चना कर निर्माण कार्य की आधारशिला रखी गई। इस अवसर पर महापौर श्रीमती सूरी ने कहा कि नगर निगम का उद्देश्य प्रत्येक वार्ड में आवश्यक अधोसंरचनात्मक सुविधाओं का विकास कर नागरिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाना है। उन्होंने कहा कि पेवर ब्लॉक निर्माण कार्य पूर्ण होने के पश्चात क्षेत्रवासियों को सुगम आवागमन, स्वच्छ वातावरण एवं बेहतर नागरिक सुविधाओं का लाभ प्राप्त होगा। क्षेत्रीय पार्षद श्रीमती नन्हींबाई गोटियाँ ने कहा कि वार्डवासियों की लंबे समय से पेवर ब्लॉक निर्माण की मांग थी, जिसके पूर्ण होने से क्षेत्र में आवागमन की सुविधा बेहतर होगी।

दुष्कर्म एवं पॉक्सो एक्ट के आरोपित को भेजा जेल

कटनी। उमरियापान पुलिस ने दुष्कर्म एवं पॉक्सो एक्ट के मामले में आरोपी को 12 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. संतोष डेहरिया तथा एसडीओपी स्लीमनाबाद आकांक्षा चतुर्वेदी के निर्देशन में थाना प्रभारी महेंद्र कुमार जायसवाल के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार थाना क्षेत्र की एक पीड़िता ने शिकायत दर्ज कराई थी कि ग्राम महनेर निवासी रोहित चौधरी उसे जबरन स्कूटी पर बैठाकर करौंदी आश्रम के पीछे जंगल में ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। शिकायत के आधार पर उमरियापान थाना में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी की तलाश शुरू की और उसे 12 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जिला जेल कटनी भेज दिया गया। कार्रवाई में थाना प्रभारी महेंद्र जायसवाल, उप निरीक्षक मेघा मिश्रा, उप निरीक्षक भरत सिंह मार्को, सहायक उप निरीक्षक गया प्रसाद मंगोरे, प्रधान आरक्षक अजय तिवारी तथा आरक्षक मोहन मुवेल, सतेन्द्र चौरसिया, योगेश पटेल और नीलेश पटेल की विशेष भूमिका रही।

धनपुरी में सक्रिय बाइक चोर गिरोह से दहशत, पुलिस कार्रवाई की मांग तेज

नई-नई बाइक पर रहती है चोरों की नजर, चार माह में कई वाहन चोरी

नगर में मोटरसाइकिल चोर गिरोह के सक्रिय होने से आम नागरिकों में भय और आक्रोश का माहौल है। लगातार हो रही वाहन चोरियों के कारण लोगों की चिंता बढ़ गई है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि चोर पहले इलाके की रेकी करते हैं और फिर सुनियोजित तरीके से नई मोटरसाइकिलों को निशाना बनाकर चोरी कर लेते हैं।

धनपुरी।

चोरी के बाद वाहनों को अन्य क्षेत्रों में ले जाकर खपाया जा रहा है।जानकारी के अनुसार बीते चार माह के दौरान गोल बाजार, बड़ी बाजार, विद्युत कार्यालय परिसर सहित नगर के विभिन्न स्थानों से कई मोटरसाइकिलें चोरी हो चुकी हैं। चोरों के हौसले इतने बुलंद हैं कि भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों से भी वाहन आसानी से पार कर देते हैं।बताया जाता है कि धनपुरी नंबर-4 निवासी शुक्ला की हीरो होंडा शाइन, चंद्रप्रकाश गुप्ता की बुलेट तथा शंकर लोचंदानी की मोटरसाइकिल विद्युत कार्यालय के सामने से चोरी हो चुकी है। इसके अलावा दो दिन पूर्व शम्मी खान की नई होंडा शाइन भी अज्ञात चोर चुरा ले गए। मामले की रिपोर्ट धनपुरी थाने में दर्ज कराई गई है, लेकिन अब तक कोई ठोस सफलता हाथ नहीं लगी है।नगरवासियों का कहना है कि आए दिन हो रही चोरी की घटनाओं के कारण लोग अपने वाहन सार्वजनिक स्थलों पर खड़े करने से डरने लगे हैं। व्यापारियों और कर्मचारियों में भी असुरक्षा की भावना बढ़ रही है। लोगों का आरोप है कि चोर गिरोह काफी समय से सक्रिय है, लेकिन उस पर प्रभावी अंकुश नहीं लग पाया है।स्थानीय नागरिकों ने पुलिस अधीक्षक से मांग की है कि नगर में सक्रिय वाहन चोर गिरोह की पहचान कर उनके खिलाफ विशेष अभियान चलाया जाए। साथ ही प्रमुख बाजारों, सरकारी कार्यालयों एवं सार्वजनिक स्थलों पर निगरानी बढ़ाने, सीसीटीवी कैमरों की जांच कराने तथा संदिग्ध व्यक्तियों पर नजर रखने की मांग भी उठाई है।नागरिकों का कहना है कि यदि समय रहते कठोर कार्रवाई नहीं की गई तो चोरी की घटनाओं में और वृद्धि हो सकती है। लोगों ने पुलिस प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई कर चोरी गए वाहनों की बरामदगी तथा गिरोह का पर्दाफाश करने की अपेक्षा जताई है।

पानी सप्लाई व्यवस्था से नागरिकों में हर्ष, वार्ड 17/15 में पाइप लाइन विस्तार कार्य जारी

धनपुरी। भीषण गर्मी के बीच नगर पालिका परिषद धनपुरी द्वारा नगरवासियों को नियमित पेयजल उपलब्ध कराने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। नगर पालिका प्रशासन द्वारा नगर के विभिन्न 24 वार्डों का निरीक्षण किए जाने के दौरान यह जानकारी सामने आई कि गर्मी के मौसम में किसी भी क्षेत्र में पानी की कमी न हो, इसके लिए व्यापक स्तर पर व्यवस्थाएं की गई हैं।नगर पालिका परिषद के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की टीम लगातार पेयजल व्यवस्था की निगरानी कर रही है। जलापूर्ति प्रभावित होने की संभावना वाले क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है तथा आवश्यकतानुसार अतिरिक्त संसाधन लगाकर नागरिकों तक समय पर पानी पहुंचाया जा रहा है। नगर पालिका का पूरा अमला जल संकट से निपटने के लिए सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है।नगर के विभिन्न वार्डों में नियमित जलापूर्ति होने से नागरिकों ने संतोष व्यक्त किया है। लोगों का कहना है कि गर्मी के इस कठिन समय में नगर पालिका द्वारा पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने से उन्हें राहत मिली है। कई क्षेत्रों में समय पर पानी मिलने से दैनिक जरूरतों को पूरा करने में सुविधा हो रही है।इसी क्रम में नगर पालिका परिषद द्वारा पेयजल व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए वार्ड क्रमांक 17 एवं 15 में पाइपलाइन विस्तार कार्य भी कराया जा रहा है। नई पाइपलाइन बिछाए जाने से उन क्षेत्रों के नागरिकों को सीधे जलापूर्ति का लाभ मिलेगा तथा भविष्य में पानी की समस्या से राहत मिलने की उम्मीद है।नगर पालिका परिषद का कहना है कि नागरिकों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है। पेयजल व्यवस्था को लेकर लगातार निगरानी की जा रही है और जहां भी आवश्यकता महसूस होगी, वहां अतिरिक्त पाइपलाइन, मरम्मत एवं अन्य आवश्यक कार्य कराए जाएंगे।नगरवासियों ने गर्मी के मौसम में पेयजल व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने तथा पाइपलाइन विस्तार कार्य शुरू किए जाने पर नगर पालिका परिषद धनपुरी के प्रयासों की सराहना करते हुए उम्मीद जताई है कि भविष्य में भी इसी प्रकार जनहित के कार्य जारी रहेंगे।

11 दिवसीय नाट्य रंग महोत्सव का शानदार आगाज, पहले दिन 'मध्यम व्यायोग' नाटक ने मोहा मन

शहडोल।

सांस्कृतिक और कलात्मक गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शहडोल शहर में 11 दिवसीय भव्य 'नात्य रंग महोत्सव' का शुभारंभ हो गया है।

सोमवार, 8 जून 2026 को स्थानीय होटल शुभम पैलेस में इस कलात्मक उत्सव की शुरुआत की गई। यह महोत्सव आगामी 18 जून तक लगातार चलेगा, जिसमें कला और अभिनय के विभिन्न रंग देखने को मिलेंगे।

प्रथम दिन महाकवि भास की रचना का जीवंत मंचन

महोत्सव के पहले दिन शहडोल के स्थानीय कलाकारों द्वारा सुप्रसिद्ध नाटक 'मध्यम व्यायोग' का शानदार मंचन किया गया। महाकवि भास द्वारा लिखित इस कालजयी नाटक को स्थानीय कलाकारों ने अपनी जीवंत प्रस्तुति से दर्शकों से खचाखच भरे सभागार में जीवंत कर दिया।

निर्देशन और संगीत की जुगलबंदी

इस सफल नाट्य प्रस्तुति का कुशल निर्देशन युवा रंगकर्मी लकी चतुर्वेदी द्वारा किया गया। नाटक को और अधिक प्रभावशाली बनाने में संगीत ने मुख्य भूमिका निभाई, जिसे दिव्यांश श्रीवास्तव, रामकिशन साकेत, सागर वर्मा, साहिल वर्मा, रेणु विश्वकर्मा, अर्पण मांझी और गनेश रैदास ने अपने सुरों और वादनों से सजाया। वहीं, अयान रजा और प्रीतू की बेहतरीन लाइट व्यवस्था ने मंच पर दृश्यों को चमका दिया।

इन कलाकारों ने बिखेरा अभिनय का जादू

मंच पर अपनी अदाकारी से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने वाले कलाकारों में शामिल रहे।लकी चतुर्वेदी, राजकुमार जाटव, अनुराग वंशकार,प्राची सोंधिया, महक सोंधिया, तपस्या वर्मन,अपूर्वा तोमर, मांशू सिंह, राधिका यादव और आंचल सिंह,इसके साथ ही बैकस्टेज (मंच परे) व्यवस्थाओं को संभालने में अज्जू, शुभम बर्मन, अतुल नापित और मदन लाल पटेल का विशेष योगदान रहा। पूरे कार्यक्रम का सफल और खूबसूरत मंच संचालन प्राप्ति सोनी द्वारा किया गया।

आयोजक मंडल की अपीलः

आयोजक मंडल ने समस्त शहडोल वासी कलाप्रेमियों और दर्शकों से अपील की है कि वे 8 से 18 जून तक चलने वाले इस महोत्सव में प्रतिदिन अधिक से अधिक संख्या में पहुँचकर स्थानीय कलाकारों का उत्साहवर्धन करें और इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में अपना सहयोग प्रदान करें।

पीपीओ नंबर की तलाश में दर-दर भटक रहे हजारों रिटायर्ड

कोयला कर्मीदो साल से एसईसीएल और सीएमपीएफ कार्यालयों के चक्कर, नहीं मिल रहा जवाब

विधवा पेंशन और परिवार की सामाजिक सुरक्षा पर मंडराया संकट, सेवानिवृत्त कर्मचारियों में बढ़ रहा आक्रोश

धनपुरी।

एसईसीएल सोहागपुर में एक ओर कोयला उत्पादन में रिकॉर्ड बनाने और देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के दावे किए जाते हैं, वहीं दूसरी ओर उन्हीं खदानों में जीवन भर मेहनत करने वाले हजारों सेवानिवृत्त कर्मचारी आज अपने अधिकारों के लिए भटकने को मजबूर हैं। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) के सोहागपुर क्षेत्र के हजारों रिटायर्ड कर्मचारियों को पिछले दो वर्षों से पीपीओ (पेंशन पेमेंट ऑर्डर) नंबर का इंतजार है। हालात इतने गंभीर हैं कि बुजुर्ग कर्मचारी महाप्रबंधक कार्यालय, कार्मिक विभाग, यूनिट कार्यालय और सीएमपीएफ कार्यालय के लगातार चक्कर काट रहे हैं, लेकिन उनकी समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है।पूर्व श्रमिक नेता एवं मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी नगरीय निकाय प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव राम सिंह ने बताया कि केंद्र सरकार की योजना के तहत कर्मचारियों और उनके परिवारों के लिए विशेष फॉर्म भरवाए गए थे। इन फॉर्मों के साथ आधार कार्ड, पहचान पत्र, बैंक खाते की जानकारी सहित अन्य आवश्यक दस्तावेज संलग्न कर सीएमपीएफ कार्यालय जबलपुर भेजे गए थे। प्रक्रिया पूरी होने के बाद कर्मचारियों को पीपीओ नंबर जारी किया जाना था, जिससे कर्मचारी की मृत्यु के उपरांत उसकी पत्नी को पारिवारिक पेंशन का लाभ आसानी से मिल सके।फाइलें कहां गायब हुईं, कोई बताने को तैयार नहींसबसे चिंताजनक पहलू यह है कि जब कर्मचारी सीएमपीएफ कार्यालय जबलपुर पहुंचते हैं तो उन्हें बताया जाता है कि संबंधित दस्तावेज वहां उपलब्ध नहीं हैं। वहीं एसईसीएल प्रबंधन का कहना है कि सभी दस्तावेज समय रहते सीएमपीएफ कार्यालय भेज दिए गए हैं। दोनों विभागों के इस विरोधाभासी रवैये के बीच हजारों कर्मचारियों की फाइलें आखिर कहां हैं, इसका जवाब किसी के पास नहीं है।बुजुर्गों की पीड़ा, सुनने वाला कोई नहीं70 वर्ष की उम्र पार कर चुके कई कर्मचारी अपने बच्चों या रिश्तेदारों के सहारे कार्यालय पहुंच रहे हैं। कई लोग बीमार हैं, कई आर्थिक तंगी से गुजर रहे हैं, लेकिन फिर भी उन्हें हर बार केवल आश्वासन ही मिल रहा है। कर्मचारियों का कहना है कि सेवा काल में उन्होंने दिन-रात खदानों में काम कर कंपनी को लाभ पहुंचाया, लेकिन सेवानिवृत्ति के बाद उनकी सुध लेने वाला कोई नहीं है।हजारों परिवारों का भविष्य अधर मेंपीपीओ नंबर जारी नहीं होने से कर्मचारी की मृत्यु के बाद उसकी पत्नी को मिलने वाली पारिवारिक पेंशन की प्रक्रिया प्रभावित हो रही है। इससे हजारों परिवारों के सामने भविष्य की चिंता खड़ी हो गई है। कई परिवार ऐसे हैं जो पेंशन पर ही निर्भर हैं और प्रशासनिक लापरवाही का खामियाजा भुगत रहे हैं।दो वर्षों से लंबित मामला, बढ़ रहा असंतोषकर्मचारियों का कहना है कि फॉर्म जमा किए हुए लगभग दो वर्ष बीत चुके हैं, लेकिन आज तक न तो पीपीओ नंबर जारी हुए और न ही किसी अधिकारी ने स्पष्ट स्थिति बताई। कर्मचारियों के बीच यह चर्चा आम हो गई है कि आखिर उनकी फाइलें किस स्तर पर अटकी हुई हैं और जिम्मेदार कौन है।अब आंदोलन की तैयारीसेवानिवृत्त कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र ही लंबित प्रकरणों का निराकरण नहीं किया गया तो वे एकजुट होकर आंदोलन करने को मजबूर होंगे। कर्मचारियों का कहना है कि यह केवल पीपीओ नंबर का मामला नहीं बल्कि हजारों परिवारों की सामाजिक सुरक्षा और सम्मानजनक जीवन से जुड़ा प्रश्न है।उच्च अधिकारियों से तत्काल हस्तक्षेप की मांगरिटायर्ड कर्मचारियों ने सीएमपीएफ कमिश्नर जबलपुर, एसईसीएल सोहागपुर क्षेत्र के महाप्रबंधक, क्षेत्रीय कार्मिक प्रबंधक तथा कोल इंडिया प्रबंधन से मामले की उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों की जिम्मेदारी तय करने और लंबित पीपीओ नंबर तत्काल जारी करने की मांग की है।सबसे बड़ा सवालक्या खदानों में अपना पूरा जीवन खपा देने वाले कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के बाद अपने ही अधिकारों के लिए यूं भटकना पड़ेगा? क्या हजारों परिवारों की सामाजिक सुरक्षा से जुड़े इस गंभीर मामले का समाधान करने के लिए कोई जिम्मेदार आगे आएगा? सोहागपुर क्षेत्र के हजारों सेवानिवृत्त कर्मचारियों की निगाहें अब प्रबंधन और संबंधित विभागों की ओर टिकी हैं, जो पिछले दो वर्षों से केवल जवाब का इंतजार कर रहे हैं।

जन शिक्षण संस्थान ने मनाया पर्यावरण दिवस

हरिभूमि ⏭ कटनी

जन शिक्षण संस्थान कटनी में गत दिवस अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण दिवस मनाया गया। जन शिक्षण संस्थान के लाभार्थियों के द्वारा वृक्षारोपण का कार्यक्रम किया गया इस कार्यक्रम में सहायक कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती बबीता सिंह के नेतृत्व में कार्यक्रम आयोजित किया गया और संदेश दिया गया कि आज के दिन प्रति व्यक्ति को एक पौधा लगाना चाहिए क्योंकि पर्यावरण में यदि हरियाली रहेगी तो आसपास का वातावरण साफ रहेगा और ऑक्सीजन पर्याप्त मात्रा में मिलेगी और प्रदूषण से बच सकेंगे इस कार्यक्रम में पर्यावरण को साफ स्वच्छ रखने की बात कही गई एवं कहा गया कि स्वच्छता ही जीवन है यदि आप स्वस्थ रहेंगे तो आपका जीवन भी अच्छा रहेगा इस कार्यक्रम में संस्थान के कार्यक्रम अधिकारी सहायक कार्यक्रम अधिकारी फील्ड कोऑर्डिनेटर उपस्थित रहे।

अनाधिकृत बोर कराने पर मशीन जब्त, तीन लोगों पर मामला दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

अनाधिकृत रूप से बोरवेल खनन किये जाने पर उमरियापान पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक बोरिंग मशीन जब्त कर तीन आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. संतोष डेहरिया तथा एसडीओपी स्लीमनाबाद आकांक्षा चतुर्वेदी के निर्देशन में थाना प्रभारी महेंद्र कुमार जायसवाल के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई।

पुलिस को सूचना मिली थी कि ग्राम टोला निवासी छोटू लोधी अपने घर की बाड़ी में बिना सक्षम अनुमति के बोरवेल खनन करा रहा है।सूचना के सत्यापन के लिए पुलिस टीम मौके पर पहुंची, जहां बोरिंग मशीन क्रमांक KA-01-MH-6166 से खनन कार्य करते हुए चालक रामभजन कोल निवासी ग्राम मजौली, थाना सिहोरा मिला। पुलिस द्वारा अनुमति संबंधी दस्तावेज मांगने पर वह कोई वैध कागजात प्रस्तुत नहीं कर सका।

पूछताछ में उसने बताया कि वह मशीन एजेंट रामभूषण मिश्रा

निवासी ग्राम हरदुआ, थाना सिहोरा के कहने पर मजदूरी पर कार्य कर रहा था।पुलिस ने मौके पर कार्रवाई करते हुए बोरिंग मशीन जब्त कर ली। जांच में कलेक्टर के आदेश का उल्लंघन पाए जाने पर थाना उमरियापान में अपराध क्रमांक 179/2026 दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया गया है।

पुलिस ने इस मामले में मशीन चालक रामभजन कोल, मकान मालिक छोटू लोधी तथा मशीन एजेंट रामभूषण मिश्रा के विरुद्ध धारा 223 बीएनएस एवं मध्यप्रदेश पेयजल परिरक्षण अधिनियम 1986 की धारा 9 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया है।

12 से 18 जून तक लगेंगे जन कल्याण शिविर

उमरिया।

कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने बताया कि विश्व पर्यावरण दिवस एवं अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून 2026 तक जिले में जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और आमजन को योजनाओं का लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में जिले के सभी विकासखंडों एवं नगरीय निकायों में 12 जून से 18 जून 2026 तक जनकल्याण शिविरों का आयोजन किया जाएगा। इन शिविरों का उद्देश्य शासन की हितग्राहीमूलक योजनाओं से वंचित पात्र परिवारों को लाभान्वित करना तथा उनकी समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करना है।

शिविर आयोजन स्थल एवं तिथियां इस प्रकार से निर्धारित की गई हैं जिसमें जनपद पंचायत कार्यालय प्रांगण, करकेली दृ 12, 13 एवं 14 जून,स्टेडियम प्रांगण, मानपुर दृ 15, 16 एवं 17 जून,माध्यमिक शाला परिसर, अमिलिहा (पाली) दृ 16, 17 एवं 18 जून,सामुदायिक भवन,लालपुर दृ 12, 13 एवं 14 जून,गायत्री मंदिर के सामने प्रांगण,पाली दृ 15, 16 एवं 17 जून,टाउन हॉल, चंदिया दृ 16, 17 एवं 18 जून,सामुदायिक भवन,वार्ड क्रमांक 7, नौरोजाबाद दृ 12, 13 एवं 14 जून को शिविर आयोजित किए जाएंगे। शिविरों के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा जनहित एवं जनकल्याण से संबंधित गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा तथा पात्र हितग्राहियों के आवेदन प्राप्त कर उनका निराकरण किया जाएगा।

वरिष्ठ अधिकारी रहेंगे मौजूद

शिविरों की निगरानी एवं संचालन के लिए जिला स्तर के अधिकारियों की ड्यूटी निर्धारित की गई है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत उमरिया विकासखंड मानपुर, करकेली एवं पाली के शिविरों में उपस्थित रहेंगे, जबकि अपर कलेक्टर (राजस्व) उमरिया नगर पालिका क्षेत्र उमरिया, मानपुर, पाली, चंदिया एवं नौरोजाबाद में आयोजित शिविरों में मौजूद रहेंगे।

व्यवस्थाओं के निर्देश

कलेक्टर श्रीमती सहाय ने जनपद मुख्य कार्यपालन अधिकारियों एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि शिविर स्थलों पर आने वाले ग्रामीणों एवं नागरिकों के लिए पर्याप्त बैठक व्यवस्था, छायादार पंडाल, स्वच्छता, कुर्सियां, दरी तथा पेयजल हेतु पानी के टैंकर सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्व से सुनिश्चित की जाएं।

आवेदनों का होगा त्वरित निराकरण

शिविरों में प्राप्त होने वाले आवेदनों के संधारण एवं निराकरण के लिए पृथक-पृथक रजिस्टर रखे जाएंगे। सभी आवेदनों की प्रतिदिन पोर्टल पर अनिवार्य रूप से प्रविष्टि की जाएगी तथा दैनिक प्रतिवेदन वरिष्ठ कार्यालयों को भेजा जाएगा। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जनकल्याण शिविरों का सफल

मुक्तिधाम में बाउंड्रीवॉल और शेड न होने से लोग परेशान

खुले आसमान के नीचे अंतिम संस्कार करने की मजबूर

बुढ़ार।

नगर के वार्ड क्रमांक एक स्थित भुतही टोला मुक्तिधाम इन दिनों प्रशासनिक उपेक्षा का शिकार है। मुक्तिधाम में बुनियादी सुविधाओं के अभाव के कारण अंतिम संस्कार में शामिल होने वाले नागरिकों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। समाज सेवी रोहणी प्रसाद गर्ग एवं स्थानीय निवासियों ने इस दिशा में ध्यानाकर्षण कराते हुए जनहित में व्यवस्था सुधारने की मांग की है।

मुक्ति धाम में बाउंड्रीवॉल न होने से नहीं हो पा रहा पौधरोपण

मुक्तिधाम के पश्चिम दिशा में बाउंड्रीवॉल (सीमा सुरक्षा दीवार) का निर्माण नहीं हो सका है। बाउंड्रीवॉल न होने के कारण यहाँ सुरक्षा का अभाव है, जिसकी वजह से मुक्तिधाम परिसर में पौधरोपण का कार्य नहीं हो पा रहा है। खुले क्षेत्र के कारण लगाए गए पौधों को बचा पाना मुश्किल साबित हो रहा है।

कड़कती धूप में अंतिम विदाई देने को मजबूर हैं लोग

मुक्ति धाम परिसर में पेड़-पौधों और छांव की कमी के कारण यहाँ आने वाले लोगों को भीषण गर्मी और धूप का सामना करना पड़ता है। सबसे बड़ी समस्या यह है कि मुक्तिधाम में कोई शेड (छाया घर) भी उपलब्ध नहीं है। इसके चलते अंतिम संस्कार में शामिल होने आने वाले लोग कड़कती धूप में खुले आसमान के नीचे खड़े रहकर संस्कार की प्रक्रिया पूरी कराते हैं, जो बेहद कष्टदायक है।जनहित में शेड और बाउंड्रीवॉल निर्माण की मांग स्थानीय नागरिकों और जनप्रतिनिधियों ने प्रशासन व संबंधित विभाग से मांग की है कि इस गंभीर समस्या को संज्ञान में लिया जाए। जनहित को ध्यान में रखते हुए पश्चिम दिशा में तुरंत बाउंड्रीवॉल का निर्माण कराया जाए और परिसर में एक सर्वसुविधायुक्त शेड (छाया घर) बनवाने का प्रयास किया जाए, ताकि संकट की इस घड़ी में लोगों को थोड़ी राहत मिल सके।

खबर संक्षेप

करैत सर्प के काटने से उपचार दौरान युवक की मौत

अनूपपुर। घर के अंदर जमीन में सोते 40 वर्ष युवक कों करैत प्रजाति के अत्यंत जहरीले सर्प के काटने से उपचार दौरान युवक की मंगलवार की दोपहर जिला अस्पताल अनूपपुर में मृत्यु हो गई, घटना की सूचना पर जिला अस्पताल पुलिस द्वारा मृतक की शव का पंचनामा एवं पीएम की कार्यवाही कर अग्रिम कार्यवाही हेतु संबंधित थाना को सूचित किया है। घटना के संबंध में मिली जानकारी अनुसार अनूपपुर जिले के राजेंद्रग्राम थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत हई के गिरारी गांव निवासी 40 वर्षीय छंगू अगरिया पिता मनीराम अगरिया प्रत्येक दिन की तरह सोमवार के दिन लोहे का औजार एवं सामान बनाने का काम कर देर शाम/रात खाना पीना खाने बाद घर में जमीन पर सोया हुआ था तभी सोमवार एवं मंगलवार की मध्य रात्रि अत्यंत जहरीले करैत प्रजाति के सर्प ने दाएं हाथ के बीच की उंगली में डस दिया सर्पदंश की घटना पर परिजनों द्वारा उपचार हेतु राजेंद्रगाम अस्पताल ले जाकर उपचार कराये जाने पर डॉक्टरों द्वारा प्राथमिक उपचार कर मरीज के बेहतर उपचार हेतु जिला चिकित्सालय अनूपपुर रेफर किए जाने पर जिला चिकित्सालय अनूपपुर में उपचार के दौरान मंगलवार की दोपहर छंगू अगरिया की मृत्यु हो गई घटना की जानकारी ड्यूटी डॉक्टर नितेश वर्मा द्वारा जिला अस्पताल पुलिस अनूपपुर को दिए जाने पर प्रधान आरक्षक मंसाराम सिंह मार्को ने मृतक के परिजनों की उपस्थिति में मृतक के शव का पंचनामा कर ड्यूटी डॉक्टर से शव का परीक्षण कराते हुए शव का अंतिम संस्कार किए जाने हेतु परिजनों को सौंप कर घटना की अग्रिम जांच जो राजेंद्रग्राम थाना क्षेत्र की होने पर सूचित किया गया। गर्मी का मौसम होने पर विभिन्न तरह के समान्य एवं जहरीले प्रजाति सर्प अपने रहवास क्षेत्र से निकल कर आहार की तलाश में खेतों, गांव के साथ आम जनों के घरों एवं घर के आसपास विचरण करते हैं जो विचरण करने दौरान किसी भी तरह से दबाव पड़ने पर दवाव पड़ने के कारण परेशान होने पर डस देते हैं जिससे बचने की अपील जिला प्रशासन द्वारा की गई है।

चक्का जाम के बाद दौड़े अफसर, करोड़ों की जल योजना और विकास के दावों पर उठे सवाल

पानी के लिए सड़क पर उतरी जनता, तब टूटी प्रशासन की नींद

सांसद हिमाद्रि सिंह और विधायक फुंदेलाल सिंह के प्रभाव क्षेत्र में लोग पानी के लिए सड़क जाम करने को मजबूर

अनूपपुर/अमरकंटक। पुष्पराजगढ़ क्षेत्र के ग्राम पोंडी फार्म (पोड़की) में पानी की प्यास ने विकास के तमाम सरकारी दावों की पोल खोलकर रख दी है 30 दिनों से खराब पड़े एकमात्र हैंडपंप के कारण ग्रामीण बूंद-बूंद पानी के लिए भटकते रहे है, लेकिन जिम्मेदार विभाग, प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की नींद नहीं टूटी। आखिरकार जब ग्रामीणों ने खाली बाल्टी-बर्तन लेकर रीवा-अमरकंटक मुख्य मार्ग पर चक्का जाम कर दिया, तब प्रशासन हरकत में आया और 30 दिनों से दबे आक्रोश ने सड़क पर विस्फोटक रूप ले लिया। जिले के पुष्पराजगढ़ विकासखंड का ग्राम पोंडी फार्म आज पूरे क्षेत्र के लिए एक बड़ा सवाल बनकर खड़ा है। गांव के लगभग 30 से 35 परिवार पिछले 30 दिनों से एक खराब हैंडपंप के कारण गंभीर जल संकट झेल रहे थे। शिकायतें की गईं, आवेदन दिए गए, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों ने मानो आंखें मूंद लीं थी। दूसरी ओर करोड़ों रुपये की किरगी ग्रामीण समूह जल प्रदाय योजना के दावे भी जमीनी हकीकत के सामने बौने साबित हो रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि योजना से जुड़े गांवों में भी लगभग 30 प्रतिशत घरों तक पानी नहीं पहुंच रहा, जबकि पोंडी फार्म में आज तक पाइप लाइन तक नहीं बिछाई गई है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि लगातार तीन कार्यकाल से विधायक फुंदेलाल सिंह मार्को और सांसद हिमाद्रि सिंह के प्रभाव वाले क्षेत्र में भी यदि लोग पानी जैसी मूलभूत आवश्यकता के लिए सड़क जाम करने को मजबूर हैं, तो आखिर विकास के दावे किसके लिए किए जा रहे हैं।

30 दिन तक प्यासा रहा गांव, नहीं जागा सिस्टम

भीषण गर्मी के बीच गांव का एकमात्र हैंडपंप बंद पड़ा रहा और पूरा गांव पानी के संकट में डूब गया रहा है। महिलाएं, बुजुर्ग और बच्चे तीन से चार किलोमीटर दूर निजी बोरवेल से पानी ढोने को मजबूर रहे है। कई बार विभाग को सूचना दी गई, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि अधिकारियों ने समस्या को गंभीरता से लिया ही नहीं रहा है। सवाल यह है कि यदि जनता सड़क पर नहीं उतरती तो क्या गांव आज भी प्यासा ही रहता? यह प्रशासनिक संवेदनहीनता का सबसे बड़ा उदाहरण बन गया है।

चक्का जाम होते ही दौड़ पड़े अधिकारी

मंगलवार सुबह जैसे ही ग्रामीणों ने रीवा-अमरकंटक मुख्य मार्ग पर चक्का जाम किया, पूरा प्रशासन अचानक सक्रिय हो गया। जिन अधिकारियों को पंद्रह दिनों तक गांव की सुध नहीं थी, वे कुछ घंटों में मौके पर पहुंच गए। हैंडपंप सुधरवाया गया और अतिरिक्त हैंडपंप लगाने का आश्वासन भी दे दिया गया है। इस घटना ने साबित कर दिया कि अब आवेदन और शिकायतों की नहीं, बल्कि सड़क पर उतरने की भाषा ही सिस्टम समझता है। जनता पूछ रही है कि क्या हर समस्या का समाधान अब आंदोलन ही होगा?

करोड़ों की जल योजना, फिर भी प्यासे हैं हजारों लोग

किरगी ग्रामीण समूह जल प्रदाय योजना को ग्रामीण क्षेत्रों में घर-घर पानी पहुंचाने की बड़ी योजना बताया गया था। लेकिन ग्रामीणों का दावा है कि योजना से जुड़े गांवों में भी लगभग 30 प्रतिशत घरों तक पानी नहीं पहुंच रहा है। कई जगह पाइप लाइन है तो पानी नहीं, और कहीं पानी है तो व्यवस्था नहीं है। करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद यदि ग्रामीणों को पानी के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है तो यह केवल तकनीकी खामी नहीं बल्कि योजना के क्रियान्वयन की गंभीर विफलता है।

जिस गांव में आंदोलन हुआ, वहां आज तक नहीं पहुंची पाइप लाइन

सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि पोंडी फार्म में आज तक जल प्रदाय योजना की पाइप लाइन तक नहीं बिछाई गई है। विकास के बड़े-बड़े दावों के बीच पूरा गांव एकमात्र हैंडपंप के भरोसे जीवन गुजार रहा था। हैंडपंप खराब हुआ तो पूरा सिस्टम बेनकाब हो गया। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते पाइप लाइन और स्थायी जल व्यवस्था बनाई गई होती तो सड़क जाम जैसी नौबत ही नहीं आती। यह घटना योजनाओं और धरातल की सच्चाई के बीच की गहरी खाई दिखाती है।

तीन कार्यकाल के विधायक और सांसद के क्षेत्र में पानी का संकट

पुष्पराजगढ़ का प्रतिनिधित्व लगातार तीन कार्यकाल से विधायक फुंदेलाल सिंह मार्को कर रहे हैं, जबकि यह क्षेत्र सांसद हिमाद्रि सिंह के प्रभाव वाले इलाकों में गिना जाता है। इसके बावजूद ग्रामीण पानी के लिए सड़क पर उतरने को मजबूर हैं। जनता अब सवाल पूछ रही है कि आखिर वर्षों के विकास के दावों का लाभ कहां दिखाई देता है? यदि जनप्रतिनिधियों के प्रभाव वाले क्षेत्रों में भी मूलभूत सुविधाओं का यह हाल है तो दूरस्थ गांवों की स्थिति कितनी गंभीर होगी, इसका सहज अनुमान लगाया जा सकता है। पोंडी फार्म का चक्का जाम केवल पानी के लिए किया गया प्रदर्शन नहीं था, बल्कि यह उन खोखले दावों के खिलाफ जनता का गुस्सा था जो वर्षों से सुनाए जा रहे हैं। हैंडपंप तो सुधर गया, लेकिन जनता के मन में उठे सवाल अब भी जस के तस हैं। यदि समय रहते स्थायी पेयजल व्यवस्था नहीं बनाई गई तो यह आक्रोश भविष्य में और बड़े आंदोलनों का रूप ले सकता है।

अदानी थर्मल पावर प्लांट के प्रबंधक पर भड़की मझौली सरपंच

वादा खिलाफी और शोषण का लगाया आरोप कहा कि समझौते के अनुसार किये गये वादे को समय रहते पूरा नहीं किया तो नहीं होगा काम

हरिभूमि न्यूजअनूपपुर। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले में अनूपपुर (अदानी) थर्मल पावर प्लांट के प्रबंधक द्वारा लगातार एक वर्ष किए जा रहे वादा खिलाफी शोषण के विरुद्ध मंगलवार को ग्राम पंचायत मझौली सरपंच सुश्री चंदा पनिका ने कंपनी के अधिकारियों को अंतिम चेतावनी देते हुए कहा कि समझौते के अनुसार किये गये वादे को समय रहते पूरा नहीं किया गया तो काम नहीं होने दिया जायेगा। सरपंच सुश्री चंदा पनिका ने अनूपपुर (अदानी) थर्मल पावर प्लांट पर आरोप लगाया कि किसी भी ग्राम पंचायत का विकास तभी संभव है जब उसके पास ख़ुद की शासकीय जमीन हो लेकिन कंपनी ने ग्राम पंचायत मझौली की लगभग 100 एकड़ जमीन पूर्व में ही अधिग्रहण कर चुकी थी और अब बची कूची भूमी भी अधिग्रहण करना चाहती है जिसके लिए कंपनी ने अधिकारियों की एक विषेश टीम लगा रखी है जो ऊपर से दबाब डलवाने से लेकर ग्राम पंचायत के कुछ दलालो के माध्यम से भूमि में कब्जा करना चाहते हैं जिसके लिए छोटे छोटे ऐसे कार्य करने का नाटक दिखावा करके माहौल बना रहे हैं जैसे उन्होंने ग्राम पंचायत को स्मार्ट सिटी बना दिया हो। जबकि साल भर पहले से लिखित में दिए हुए ऐसे कार्यो की सूची जिससे ग्राम पंचायत के हर एक घर के एक-एक सदस्य को सीधे फायदा होता, उन कामो में आज तक पलट कर कंपनी वालो ने देखा भी नहीं करना तो बहुत दूर की बात है। सरपंच ने बताया कि समझौते के अनुसार ग्राम पंचायत मझौली के ग्राम पंचायत में सामुदायिक स्वास्थ्य भवन हॉस्पिटल का निर्माण के लिए बोला गया था जिसमे आईसीयू भर्ती बेड हो, जब तक अस्पताल नहीं बनता तब ग्राम पंचायत के लिए 24/7 एम्बुलेंस सेवा, रावण मैदान में हाट बाजार मार्केट का निर्माण, युवाओं के लिए ट्रेनिग सेंटर स्थापित करने, जिसमे युवा कंप्यूटर, पुस्तकालय, जिससे युवा स्किल्ड के साथ ऑफिस वाली नौकरी कर सके। महिलाओं को रोजगार के मुख्य धारा से जोड़ने के लिए प्रशिक्षण केंद्र खोलने, युवाओं के लिए राष्ट्रीय खेल महासंघ, भारतीय खेल प्राधिकरण से मान्यता प्राप्त खेल मैदान जिससे युवा अपने खेल और आर्मी ओलंपिक जैसे खेलों की तैयारी कर सके। पशु अस्पताल और गौ शाला का निर्माण, महिलाओं की सुरक्षा के लिए हर चौराहे तिराहे पर सीसीटीवी कैमरा, हर मोहल्ले में सफाई कर्मचारी के साथ सार्वजनिक शौचालय की व्यवस्था की बात कहीं गई थी। सरपंच ने बताया कि हमारे क्षेत्र में महिलाए देर रात तक अपना काम करती थी लेकिन कंपनी बनने की वजह से पश्चिम बंगाल बिहार पता नहीं कहा कहा के लोग है जिनकी वजह से शराब नशा के कारण ग्राम पंचायत के लोग असुरक्षित है। उन्होने कहा कि हम राजनीति नहीं करना चाहते तो राजनीति कंपनी भी न करे। पूर्व में ग्राम पंचायत मझौली हमेशा इस प्रयास में कंपनी के सहयोग में रही है की प्लांट लगने से ग्राम पंचायत मझौली का विकास होगा और युवाओं महिलाओं को रोजगार मिलेगा और आर्थिक विकास का मौका मिलेगा लेकिन वादा खिलाफी षड्यंत्रों से परेशान करने का काम किया जा रहा है।

जनसुनवाई में सीईओ जिला पंचायत ने 82 आवेदन पत्रों में की सुनवाई

अनूपपुर। जिला स्तरीय जनसुनवाई कार्यक्रम मंगलवार को कलेक्ट्रेट स्थित नर्मदा सभागार में आयोजित किया गया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत श्रीमती अर्चना कुमारी ने 82 आवेदनों पर जनसुनवाई करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में डिप्टी कलेक्टर कमलेश पुरी, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अनूपपुर सुश्री प्राशी अग्रवाल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भी आवेदकों की समस्याएं सुनी। जनसुनवाई के दौरान तहसील कोतमा के ग्राम कोठी निवासी अभय सिंह ने ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र बनाए जाने, वार्ड नं. 3 जैतहरी निवासी पुरुषोत्तम दास वर्मा ने नक्शा तरमीम कराए जाने, तहसील अनूपपुर के ग्राम परसवार निवासी धना सिंह गोंड़ ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ दिलाए जाने, तहसील पुष्पराजगढ़ के ग्राम खाटी निवासी कुवर सिंह ने सीमांकन कराए जाने, तहसील कोतमा के ग्राम रेउला निवासी विष्णु सिंह उइके ने वनाधिकार अधिनियम के तहत पट्टा प्रदाय किए जाने, तहसील पुष्पराजगढ़ के ग्राम अचलपुर निवासी राजेन्द्र कुमार संत ने घरेलू विद्युत सप्लाई वायर को सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित कराए जाने, बिजुरी निवासी श्रीमती ऊषा बंसल ने पति की सड़क दुर्घटना में मृत्यु होने पर सहायता राशि दिलाए जाने, तहसील पुष्पराजगढ़ के ग्राम गिरवी निवासी प्रेम सिंह गोंड़ ने भूमि का बंटवारा कराए जाने, नगर परिषद बनगवॉ निवासी महेश कुमार ने आयुष्मान कार्ड बनाए जाने, तहसील जैतहरी के ग्राम झाईताल निवासी रवि यादव ने पिता की आकस्मिक मृत्यु होने पर संबल कार्ड के तहत सहायता राशि दिलाए जाने आवेदन दिए।

नेत्रदान- महादान से दूर हो सकता है अंधकार- डॉ. जनक सारीवान

अनूपपुर। जिला चिकित्सालय के नेत्र सर्जन डॉ. जनक सारीवान ने विश्व नेत्रदान दिवस (10 जून) के अवसर पर नागरिकों से मृत्यु उपरांत नेत्रदान करने और समाज में इसके प्रति जागरूकता फैलाने की अपील की गई है। उन्होने बताया है कि वर्तमान में भारत देश में लगभग 11 लाख लोग पारदर्शी पुतली के अंधेपन (कॉर्नियल ब्लाइंडनेस) से पीड़ति हैं, जिसमें प्रतिवर्ष 20 से 25 हजार नए मरीज जुड़ जाते हैं। स्थानीय स्तर पर भी यह समस्या चिंताजनक है, जहां अकेले अनूपपुर जिला चिकित्सालय में ही प्रतिवर्ष 100 से 150 पीड़ति मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं।

कार्यालय नगर परिषद डोला जिला अनूपपुर म.प्र.

office: Municipal Council Dola, Dt-Anuuppur (M.P.) E-mail-cmodola@mpurban.gov.in Phone-9630206418

क्र./ 871 /न.परि./लोक.नि./ई-टेण्डर / 2026 **निविदा विज्ञप्ति प्रथम आमंत्रण** जैतहरी दिनांक 09/06/2025

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित कार्यो हेतु एस.ओ.आर. 08.11.2025 के अनुसार प्रतिशत दर पर ऑनलाईन निविदाएं केन्द्रीकृत प्रणाली समतुल्य/ सक्षम श्रेणी में पंजीकृत फर्मो एवं ठेकेदारों से ऑनलाइन निविदा दरें आमंत्रित की जाती है।

क्र.	ऑनलाईन टेंण्डर क्रमांक	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र शुल्क	कार्य अवधि
01	806/E-TENDER /NAGAR PARISHAD DOLA, ANUPPUR 2026_UAD_513710_1 CONSTRUCTION OF RCC DRAIN FROM RATTU BAIGA HOUSE TO MUNNA JOGI HOUSE AT WARD NO. 04	2026_UAD_513710_1 CONSTRUCTION OF RCC DRAIN FROM RATTU BAIGA HOUSE TO MUNNA JOGI HOUSE AT WARD NO. 04	Rs. 7,73,534.00	Rs. 7,735/-	Rs. 2000/-	03 Month
02	807/E-TENDER /NAGAR PARISHAD DOLA, ANUPPUR 2026_UAD_513711_1 CONSTRUCTION OF RCC DRAIN FROM CHAMPA MAIDAM HOUSE TO LAL BAHADUR SAHU AT WARD NO. 05	2026_UAD_513711_1 CONSTRUCTION OF RCC DRAIN FROM CHAMPA MAIDAM HOUSE TO LAL BAHADUR SAHU AT WARD NO. 05	Rs. 6,13,950.00	Rs. 6,139/-	Rs. 2000/-	03 Month

1- उल्लेखित कार्यो के निविदाओं का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://mptenders.gov.in/nicgep/app पर देखा जा सकता है । 2- ऑनलाइन निविदा (2026_UAD_513710_1) प्रपत्र क्रय करने का दिनांक 08.06.2026 समय 10 :30 PM से 23.06.2026 समय 17 :30 बजे तक निर्धारित है । 3- ऑनलाइन निविदा (2026_UAD_513711_1) प्रपत्र क्रय करने का दिनांक 08.06.2026 समय 10 :30 PM से 23.06.2026 समय 17 :30 बजे तक निर्धारित है । निविदा में किसी भी प्रकार का संशोधन किये जाने पर समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं किया जावेगा । निविदा में किया गया संशोधन वेबसाईट पर देखा जा सकता है ।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी,
नगर परिषद डोला जिला अनूपपुर (म.प्र.)

कार्यालय नगर परिषद जैतहरी जिला अनूपपुर म.प्र.

E-mail-cmojaithari@mpurban.gov.in

क्र./ 558 /न.परि./ई. टेन्ड/लोक.नि. / 2026 जैतहरी दिनांक 09/06/26

ई- निविदा आमंत्रण सूचना

एतद् द्वारा नगर परिषद जैतहरी निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (ONLINE) निविदा आमंत्रित करती है उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाईड https://mptenders.gov.in/ देखी जा सकती है।

क्रं.	ऑन लाईन टेंण्डर नम्बर	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख रुपए में)	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	समयावधि
1	2	3	4	5	6	7
01.	2026_UAD_514068_1	Rejuvination Beautification of Banjario talab ward 04 Rani talab ward 15	9,33,619/-	9,337/-	2000/-	02 माह

1. निविदा प्रपत्र ऑनलाईन क्रय करने का दिनांक 09/06/2026 समय सुबह 10 :30 बजे से 24/06/2026 समय शाम 17 :30 तक क्रय की जा सकती है। 2. विस्तृत निविदा विज्ञप्ति टेंण्डर एवं अन्य दस्तावेज देखने एवं डाउनलोड करनें के लिए वेबसाईड पर सुविधा उपलब्ध है अधिक जानकारी के लिए https://mptenders.gov.in/ देखी जा सकती है । 3. निविदाकार टेण्डर डालने के पूर्व उपरोक्तानुसार स्थल का निरीक्षण कर सकते है । 4. निविदा में किसी भी प्रकार के संषोधन के लिए समाचार पत्र पर प्रकाशन नही किया जावेगा निविदा के संशोधन की जानकारी https://mptenders.gov.in/ पर देखी जा सकती है ।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद जैतहरी जिला अनूपपुर (म.प्र.)

कार्यालय नगर परिषद जैतहरी जिला अनूपपुर म.प्र.

E-mail-cmojaithari@mpurban.gov.in

क्र./ 531 /न.परि./ई. टेन्ड/लोक.नि. / 2026 जैतहरी दिनांक 05/06/26

ई- निविदा आमंत्रण सूचना

एतद् द्वारा नगर परिषद जैतहरी निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (ONLINE) निविदा आमंत्रित करती है उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाईड https://mptenders.gov.in/ देखी जा सकती है।

क्रं.	ऑन लाईन टेंण्डर नम्बर	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख रुपए में)	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	समयावधि
1	2	3	4	5	6	7
01.	2026_UAD_513397_1	Beauty of backlane at ward 07	9,92,697/-	9,926/-	2000/-	02 माह
02.	2026_UAD_513401_1	Construction of Anganbadi building at ward 05	10,12,094/-	10,120/-	2000/-	03 माह

1. निविदा प्रपत्र ऑनलाईन क्रय करने का दिनांक 05/06/2026 समय शाम 17 :30 बजे से 22/06/2026 समय शाम 17 :30 तक क्रय की जा सकती है। 2. विस्तृत निविदा विज्ञप्ति टेंण्डर एवं अन्य दस्तावेज देखने एवं डाउनलोड करनें के लिए वेबसाईड पर सुविधा उपलब्ध है अधिक जानकारी के लिए https://mptenders.gov.in/ देखी जा सकती है । 3. निविदाकार टेण्डर डालने के पूर्व उपरोक्तानुसार स्थल का निरीक्षण कर सकते है । 4. निविदा में किसी भी प्रकार के संषोधन के लिए समाचार पत्र पर प्रकाशन नही किया जावेगा निविदा के संशोधन की जानकारी https://mptenders.gov.in/ पर देखी जा सकती है ।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद जैतहरी जिला अनूपपुर (म.प्र.)

खनिज माफिया और पुलिस की सांठगांठ से शासन को हर माह लग रहा लाखों का चूना

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। राज्य सरकार द्वारा अपनी आय बढ़ाने नित नए प्रयास किए जाते है, लेकिन अनुपपुर जिले के कोतमा जनपद के भालूमाडा, कोतमा, बिजुरी, राजनगर इलाके में पुलिस और खनन माफिया की जुगलबंदी से हर महीने खुलेआम 24 घंटे खनिज रेत की चोरी व परिवहन तथा अवैध भंडारण किया जा रहा है, जिससे शासन को हर महीने राजस्व की बड़ी क्षति हो रही है, पुलिस अनुविभाग कोतमा अंतर्गत पुलिस थाना और चौकी क्षेत्रों में यदाकदा नाम मात्र की कार्यवाही कर महज औपचारिकता कर दी जाती है, इससे यह बात तो स्पष्ट हो जाती है कि अवैध रेत की चोरी जारी है, बिजुरी थाना के कुछ पुलिसकर्मी पूरी रात इन माफियाओं को अवैध रेत परिवहन में भरपूर सहयोग करते हैं, बिजुरी पुलिस के काम करने का अंदाज ही निराला है, थाना क्षेत्र के केवई नदी, कोठी, ग्राम थानगांव, ग्राम बहेराबांध, कनई नदी, बेलगांव, ग्राम छतई में रात्रि 8 बजे से सुबह 8 तक लगभग एक दर्जन ट्रैक्टर तथा मिनी ट्रक के साथ हथियार बंद अपराधिक पृष्ठभूमि के लोग अपने वाहन लेकर पूरी रात गुंडागर्दी के साथ अवैध रेत परिवहन किया जाता है, और यदि कोई भी व्यक्ति रास्ते में या कहीं भी इन्हें बोलने या रोकने टोकने की कोशिश की गई तो उसकी खैर नहीं, मसलन यह कुछ भी, किसी भी हद तक जा सकते हैं, कई बार रेत माफियाओं के विरुद्ध शिकायत करने पर लोगों के साथ मारपीट भी की गई, जानकारी के अनुसार राज्य शासन के अलावा कुछ पुलिस अधिकारी अपने-अपने थाना क्षेत्र का अवैध रेत परिवहन करने का ठेका देते है, जिले में यह अवैध योजना काफी समय से लागू है, यही वजह है कि पुलिस शिकायत के बाद भी रेत माफियाओं के विरुद्ध कार्रवाई नहीं

करना चाहती, उल्टे शिकायत करने वालों पर ही फर्जी मामले दर्ज कर दिए जाते हैं ऐसे कई मामले सामने आ चुके हैं, कुछ समय पहले एक पत्रकार ने उक्त अवैध कार्यों का कवरेज करने गया हुआ था जिस पर फर्जी मामला दर्ज कर लिया गया और मारपीट भी की गई, इससे यह तो स्पष्ट है कि पुलिस अपराधियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रही है, देशभक्ति जन सेवा की इससे बड़ी मिसाल क्या होगी, उल्लेखनीय है कि जीवनदायिनी केवई नदी से प्रतिदिन लगभग 100 से 150 खेप अवैध रेत परिवहन किया जाता है, उक्त क्षेत्र के किसी भी शहर गांव, कस्बे में अधिकांश स्थानों में बिना ईटीपी के अवैध रेत का भंडारण बड़े पैमाने पर किया गया है, कभी भी इसकी जांच की जाए तो कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आ सकते है, जहां से रेत खनन किया जाता है उन क्षेत्रों का भी निरीक्षण करना आवश्यक है, और रेत परिवहन में संलग्न अधिकांश वाहनो से नंबर प्लेट ही गायब है, नंबर की तो बात ही न करे, उक्त कार्यों को अंजाम देने वाले अधिकांश व्यक्ति अपराधिक लोग हैं, जिनके ऊपर कई गंभीर मामले दर्ज है, इनके द्वारा बिना ई-टीपी के 5 से 10 हजार रुपए महंगे दामों में रेत की अवैध रूप से बिक्री की जाती है, पुलिस के साथ खनिज विभाग भी इन सब बातों से अनजान नहीं है, उसके बावजूद भी कार्यवाही करने में दोनों लाचार है, जिला खनिज विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों को कार्यवाही करने की फुर्सत ही नहीं है, रेत माफिया निर्भीक होकर राज्य शासन को हर वर्ष करोड़ों का चूना लगा रहे हैं, विभागीय अधिकारियो को जैसे सांप सूंघ गया हो, शिकायत करने के बाद भी ठोस कार्यवाही न करना कई संदेशों को जन्म देता है, रेत माफिया पूरे क्षेत्र में रात भर तांडव करते हैं और सब के सब इस मामले में खामोश है, अनुभाग कोतमा तथा स्थानीय पुलिस से लेकर जिला पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भी इस मामले में कुछ भी बोलने और कार्यवाही करने से बच रहे हैं, एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि जिले के कोयलांचल क्षेत्र के तीन चार प्रचलित थाना क्षेत्रों से हर माह सेवा शुल्क चढ़ाया जाता है, इसी कारण कोई भी इन सब मुद्दों को लेकर कार्यवाही तो दूर बात तक सुनना पसंद नहीं करते, आलम तो यह है कि क्षेत्र में चाहे जितनी बड़ी से बड़ी घटना क्यों ना हो जाए वरिष्ठ अधिकारी भी फोन रिसीव नहीं करते, इन सब बातों का आम जनमानस में विपरीत प्रभाव पड़ रहा है, इन सभी अवैध गतिविधियों की शिकायत जन क्रांति सामाजिक संस्था के प्रमुख पदाधिकारियो ने प्रदेश के मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव, डीजीपी भोपाल, खनिज आयुक्त, पुलिस कमिश्नर, संभाग आयुक्त राजस्व शहडोल को शिकायत पत्र प्रेषित कर उच्च स्तरीय जांच टीम गठित कर संलिप्त दोषी लोगों के विरुद्ध निष्पक्ष जांच कार्यवाही करने की मांग की गई है।